राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,२७अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -९३ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार के इस श्मसान घाट में 24 घंटे की वेटिंग, 21 दिनों में 900 से अधिक शवों का दाह संस्कार

पटना। बिहार में कोरोना के कहर इस कदर बढ़ता जा रहा है कि मोक्षधाम पर भी वेटिंग चल रही है। हाल यह है कि 20 से 24 घंटे तक दाह संस्कार के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में परिजनों के सब्र का बांध टूटता जा रहा है। अस्पताल में बेड के लिए इंतजार करने के बाद उन्हें श्मशान घाट पर भी भूखे-प्यासे इंतजार करना पड़ रहा है। दरअसल, शवों की संख्या बढ़ने से श्मशान घाटों की व्यवस्था चरमरा गई है। पिछले साल की तुलना में इस बार कोरोना से मरने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है। बांस घाट पर हर रोज 65 से 70 शव आ रहे हैं। वहीं, पिछले वर्ष जब कोरोना संक्रमण अपने चरम पर था, तब औसतन 20 से 25 शव जलाए जाते थे। इस बार यह आकड़ा अभी ढाई से तीन गुना से अधिक हो गया है। पिछले तीन सप्ताह में बांस घाट पर कोविड के करीब 900 से अधिक संक्रमित शव को जलाया जा चुका है। यहां जलने वाले शव पटना जिला समेत दूसरे जिलों के भी हैं, जिनकी मौत पटना के अस्पतालों में हुई है। बांस घाट पर सबसे अधिक कोविड शवों को जलाया जा रहा है। 24 घंटे यहां संक्रमित शव पहुंच रहे हैं। एक कतार में 19 से 20 संक्रमित शव रखे गए हैं। अभी पुराने की कतार खत्म नहीं होती है कि नयी कतार लगनी शुरू हो जा रही है। पिछले पांच दिनों से यहां 65 से 70 शव पहुंच रहे हैं। जिसके कारण संक्रमित शव को जलाने में किसी को 17 घंटा, तो किसी को 20 घंटा से अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच मरनेवालों का दाह संस्कार करने के लिए भी परिजनों को इंतजार करना पड़ रहा है। श्मशान घाट पर परिजन शव को कतार में रखकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि पटना नगर निगम के सिटी व अजीमाबाद अंचल के खाजेकला घाट पर विद्युत शवदाह गृह चालू होने से लोगों को राहत मिली है। फिलहाल यहां शव के अंतिम संस्कार के लिए ज्यादा समय व्यतीत नहीं करना पड़ रहा है।

कोरोना की दूसरी लहर ने दहलाया

अब तक 9 लाख लोगों ने छोड़ा महाराष्ट्र, सख्ती से राज्य को हो सकता है 82 हजार करोड़ का घाटा!

मुंबई। कोरोना महामारी में मजदूरों का पलायन विकराल रूप लेता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि अप्रैल के शुरुआती 12 दिनों में करीब 9 लाख लोगों ने महाराष्ट्र से वापस अपने राज्यों का रुख किया है। हालात इतने गंभीर होते जा रहे हैं कि अब कारोबारी भी इन मजदूरों को रोकने के इच्छुक नहीं है।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 1 से 12 अप्रैल के बीच वेस्टर्न रेलवे की तरफ से 196 ट्रेनों में 4.32 लाख लोगों ने सफर किया। इनमें से 150 रेलगाड़ियां सिर्फ उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए गईं। उनमें 3.23 लाख लोग वापस इन राज्यों की तरफ लौटे हैं। यही नहीं इस दौरान सेंट्रल रेलवे की तरफ से चलाई गईं 336 ट्रेनों में 4.70 लाख यात्रियों ने महाराष्ट्र से अपने राज्यों का रुख किया। ये रेलगाड़ियां उत्तर प्रदेश, बिहार के साथ साथ असम, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा राज्यों के लिए गईं।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 1 से 12 अप्रैल के बीच वेस्टर्न रेलवे की तरफ से 196 ट्रेनों में 4.32 लाख लोगों ने सफर किया। इनमें से 150 रेलगाड़ियां सिर्फ उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए गईं। उनमें 3.23 लाख लोग वापस इन राज्यों की तरफ लौटे हैं। यही नहीं इस दौरान सेंट्रल रेलवे की तरफ से चलाई गईं 336 ट्रेनों में 4.70 लाख यात्रियों ने महाराष्ट्र से अपने राज्यों का रुख किया।

रिपोर्ट के मुताबिक बड़े पैमाने पर औद्योगिक गतिविधियां चलाने वाले महाराष्ट्र राज्य में लॉकडाउन के गंभीर परिणाम होंगे। मौजूदा सख्ती से राज्य को 82 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है और आने वाले दिनों में ये सख्ती बढ़ी तो घाटा भी गहराना तय है।

बेड की किल्लत बड़ी समस्या-कारोबारी भी मौजूदा स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए मजदूरों को रोकने में हिचकिचा रहे हैं। इंडिया एसएमई फोरम की डायरेक्टर जनरल सुषमा मोरथानिया ने हिंदुस्तान को बताया कि अस्पताल में बेड की किल्लत बड़ी समस्या बनती जा रही है। ऐसे में मजदूरों को रोकने पर महामारी फैलने की हालत में उनके इलाज की मुश्किलों से निपटना बड़ी चुनौती है। उनके मुताबिक कारोबारी बेहद जरूरी काम के लिए ही मजदूरों को रोकने का जोखिम ले रहे हैं, वो भी सिर्फ उन्हीं को रोका जा रहा है जिनका इंश्योरेंस कराया गया है। इनकी तादाद कई जगहों पर 25 फीसदी के करीब ही है।

आर्थिक हालात काफी बिगड़े

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर अमिल बसोले के मुताबिक पिछले लॉकडाउन के दौरान मजदूरों के पलायन के दौरान उनकी आर्थिक हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबे समय के बाद कामकाज शुरू हुआ था जो फिर से बंद हो गया है। ऐसे में मजदूरों के लिए बार बार शहर की तरफ रुख करना मुश्किल हो जाएगा।

वोट भी कोरोना पर चोट भी, बंगाल चुनाव में मतदान के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के सातवें चरण के तहत सोमवार को हो रहे मतदान में मतदाताओं से अपने मताधिकार का उपयोग करने और इस दौरान कोविड-19 से बचाव के तमाम उपायों का पालन करने की अपील की। कोविड-19 की दूसरी लहर और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामातों के बीच राज्य की 34 सीटों पर सुबह सात बजे से मतदान जारी है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'पश्चिम बंगाल में आज सातवें चरण के चुनाव के तहत मतदान हो रहा है। लोगों से आग्रह कर रहा हूं कि वे अपने मताधिकार का उपयोग करें और कोविड-19 से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।' बता दें कि राज्य में एक दिन में कोविड-19 के सबसे अधिक 15 हजार 889 मामले रविवार को सामने आए थे जबकि 57 ओर लोगों की मौत हो गई। सातवें चरण में मुर्शिदाबाद, पश्चिम वर्द्धमान जिलों की नौ विधानसभा सीटों और दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिलों की छह-छह सीटों तथा कोलकाता की चार सीटों के लिए 12,068 मतदान केंद्रों पर वोट डाले जा रहे हैं।

यूपी, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई राज्यों में लागू किया गया लॉकडाउन

नई दिल्ली। ऑनलाइन डेस्क। देश में कोरोना वायरस की बेकाबू रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। इसे रोकने के लिए अलग-अलग राज्यों में लॉकडाउन लगाया गया है और उसके लिए गाइडलाइन जारी की गई है। केंद्र सरकार ने लॉकडाउन लगाने का अधिकार राज्यों को दिया है। आइये जानते हैं कि राज्यों में लॉकडाउन की क्या है स्थिति और उसके लिए क्या गाइडलाइन जारी की गई है।

महाराष्ट्र में लॉकडाउन की स्थिति

महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों का देखते हुए एक बार फिर लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। ये पाबंदियां 14 अप्रैल की शाम 8 बजे से लागू हो चुकी हैं जो एक मई तक जारी रहेंगी। पूरी राज्य में धारा 144 भी लागू कर दी गई हैं। कोरोना के मामले नहीं घटने पर संपूर्ण लॉकडाउन की भी मांग की गई है। बता दें कि एक मई तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। हालांकि इस दौरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस पहले की तरह ही सामान्य रूप से जारी रहेगी, लेकिन निजी वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी गई है। राज्य सरकार ने तय किया है कि पूरे प्रदेश में ग्रोसरी, सब्जियों की दुकानें, बेकरी और डेयरियां सुबह 7 बजे से लेकर 11 बजे तक ही खुलेंगी। इसके अलावा चिकन, मटन, अंडा और मछली बेचने वाली दुकाने के लिए भी यही आदेश है। कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन (कोरोना कर्फ्यू) लगाने का फैसला लिया है। इसके पहले 15 मई तक पूरे प्रदेश में रविवार को साप्ताहिक पूर्ण बंदी घोषित की गई थी, जिसमें शनिवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक 35 घंटे का कोरोना कर्फ्यू लागू करने का आदेश दिया गया था। रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक नाइट कर्फ्यू अभी भी लागू है।

बिहार से लगा नाइट कर्फ्यू-कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बिहार में 19 अप्रैल से नाइट कर्फ्यू लागू किया गया है। रात्रि नौ बजे से सुबह सुबह पांच बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। इसके पहले शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, स्टेडियम, संग्रहालय, जिम, धर्म स्थल आदि बंद हैं। इन्हें 15 मई तक बंद किया गया है।

हर दिन 6 लाख तक नए केसों से भी निपटने की तैयारी, ऑक्सीजन सप्लाई में होगा इजाफा

नई दिल्ली। देश में बीते हफ्ते कोरोना ने हर दिन रिकॉर्ड कायम किया और तीन लाख से नए मामले रोज दर्ज हुए। अस्पतालों में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने से देश भर में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मच गया। हालांकि, यह कहा जा सकता है कि मौजूदा स्थिति सिर्फ ट्रेलर है क्योंकि आने वाले दिनों में भारत के अंदर हर दिन कोरोना के 6 लाख नए मामले दर्ज किए जा सकते हैं। नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल जो कि महामारी को लेकर बनाई सरकार की कोर टीम के भी सदस्य हैं, ने सुझाव दिया है कि देश को अब प्लान बी पर काम करना चाहिए। प्लान बी के तहत हर दिन 6 लाख नए कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन तैयार रखने को कहा गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक,

देश में एक दिन में महामारी से जान गंवाने वालों की सर्वाधिक संख्या है। बता दें कि नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल के अंतर्गत 'ऐम्पावर्ड ग्रुप ऑफ ऑफिसर्स' ने 10 दिन पहले ही स्वास्थ्य मंत्रालय सहित संबंधित प्रशासन को यह आगाह कर दिया था

सरकार ने कोरोना की पहली लहर यानी बीते साल सितंबर में भी बुनियादी ढांचे को सुधारने पर विचार किया था। उस समय एक्सपर्ट्स की टीम ने हर दिन 3 लाख तक नए केस सामने आने का अनुमान लगाया था। उस समय देश को 1.6 लाख आईसीयू बेड, 3.6 लाख नॉन-आईसीयू बेड की जरूरत बताई गई थी। एक्सपर्ट्स ने यह भी कहा था कि 75 फीसदी नॉन-आईसीयू बेड के साथ ऑक्सीजन मुहैया करवाने की भी सुविधा होनी चाहिए। बता दें कि देश में हर दिन कोरोना के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही मौतों का आंकड़ा भी रिकॉर्ड बनाता जा रहा है। भारत में रविवार को एक दिन के अंदर कोरोना के रिकॉर्ड 3 लाख 54 हजार 531 नए मामले मिले। यह किसी एक देश में एक दिन में मिले नए कोरोना संक्रमितों की विश्वभर में सर्वाधिक संख्या है। इस दौरान संक्रमण से रिकॉर्ड 2,806 लोगों की मौत हो गई। देश में एक दिन में महामारी से जान गंवाने वालों की सर्वाधिक संख्या है। बता दें कि नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल के अंतर्गत 'ऐम्पावर्ड ग्रुप ऑफ ऑफिसर्स' ने 10 दिन पहले ही स्वास्थ्य मंत्रालय सहित संबंधित प्रशासन को यह आगाह कर दिया था कि 20 अप्रैल तक देश में 3 लाख कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन सप्लाई की जरूरत होगी। उसी दौरान यह भी बताया गया था कि अप्रैल के आखिर तक भारत में एक दिन के अंदर आने वाले कोरोना मामले 5 लाख तक पहुंच सकते हैं।

चार और ऑक्सीजन टैंकर पहुंचे लखनऊ, 1.20 लाख मरीजों को मिलेगी राहत

लखनऊ। बोकारो ऑक्सीजन प्लांट से ऑक्सीजन एक्सप्रेस की दूसरी रेक सोमवार सुबह 6:40 बजे लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। इस रैक में चार लिक्विड ऑक्सीजन टैंकर आए हैं। हर टैंकर में 15 हजार लीटर ऑक्सीजन है। बताया जा रहा है कि एक टैंकर ऑक्सीजन से 30 हजार मरीजों को ऑक्सीजन मिल सकता है। जिसे यूपी के चार जनपदों में भेजा गया। इनमें सबसे पहला रैक बरेली के लिए 7:45 बजे रवाना हुई। वहीं दूसरी रैक झांसी, तीसरा रैक लखनऊ के सरोजनीनगर प्लांट भेजा गया। वहीं अंतिम चौथा टैंकर बाराबंकी भेजा गया।

बोकारो से 16 घंटे में लखनऊ पहुंची ऑक्सीजन एक्सप्रेस

बोकारो से ऑक्सीजन एक्सप्रेस 16 घंटे में लखनऊ पहुंची। इस ऑक्सीजन एक्सप्रेस को वाराणसी से लोको पायलट संजय राम लेकर लखनऊ पहुंचे। जिसे यार्ड से प्लेटफार्म पायलट संजीव कुमार व अवनीश कुमार लेकर पहुंचे।

चारों टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाकर रवाना किया

लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन पर रैक पहुंचने के बाद सभी टैंकरों में जीपीएस यानी ग्लोबल पोजिशिनिंग सिस्टम लगाया गया। जहां हर टैंकर की निगरानी लखनऊ के लोक भवन से किया जाएगा। ताकि टैंकर से सड़क मार्ग के जरिए ऑक्सीजन सप्लाई में कोई दिक्कत न होने पाएं।

क्या कोरोना के नए वेरिएंट वैक्सीन को बना रहे बेअसर?

नई दिल्ली। जिस तेजी से टीकाकरण के जरिए कोरोना वायरस को बेअसर करने की कोशिश हो रही है, उससे कहीं ज्यादा तीव्रता से यह वायरस अपना स्वरूप बदल रहा है। इसके नित नए-नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। अमेरिका में हुए शोध में जब टीका लगाने के बाद संक्रमित हुए लोगों में मिले वायरस की जीनोम सिक्वेंसिंग की गई तो पाया गया है कि संक्रमण के लिए नया वेरिएंट जिम्मेदार है, जो ब्रिटेन एवं न्यूयॉर्क वेरिएंट के मिलने से बना है। यह शोध न्यू इग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। न्यूयॉर्क स्थित राकफेलर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने फाइजर एवं मार्डना का टीका लगा चुके 417 लोगों पर यह शोध किया। इनमें से एक महिला को टीके की दूसरी डोज लेने के 19 दिन बाद और दूसरी महिला को 36 दिनों के बाद कोरोना संक्रमण हुआ। शोधकर्ताओं ने इन मरीजों में दो जांच की। एक में यह देखा गया कि क्या उनके शरीर में कोरोना वायरस के

संक्रमण से लड़ने के लिए न्यूट्रीलाइजिंग एंटीबाडीज मौजूद हैं या नहीं। दोनों में पर्याप्त मात्रा में न्यूट्रीलाइजिंग एंटीबाडीज पाई गई। मतलब टीका सही काम कर रहा है। साथ ही यह भी पाया गया कि ये एंटीबाडीज अमेरिका में बहुतायत से संक्रमण के लिए जिम्मेदार यूके वेरिएंट एवं न्यूयॉर्क वेरिएंट के खिलाफ लड़ने में कारगर हैं। दूसरी जांच में इन मरीजों में पाए गए कोरोना वायरस की जीनोम सिक्वेंसिंग के जरिये उसकी वंशावली जानने की कोशिश की गई। एक महिला से मिले वायरस में E484 के तथा दूसरी में T95I, DEL 142-144 तथा D 614G तीन म्यूटेशन पाए गए। वैज्ञानिकों ने इस नए वेरिएंट की जीनोम सिक्वेंसिंग की और उसके आधार पर जो आरंभिक नतीजा निकाला है, वह यह दर्शाता है कि ये वेरिएंट यूके एवं न्यूयॉर्क वेरिएंट के संयोजन का नतीजा हैं। साथ ही इनकी वंशावली वुहान में सबसे पाए गए वाइल्ड सार्स वायरस से भी मिलती है।

संक्रमण के लिए नए वेरिएंट जिम्मेदार-शोधकर्ताओं का कहना है कि न्यूट्रीलाइजिंग एंटीबाडीज यूके एवं न्यूयॉर्क वेरिएंट के संक्रमण को पहचान रही हैं, जिसका मतलब है कि उन दोनों वेरिएंट पर वे कारगर हैं। लेकिन दोनों महिलाओं में संक्रमण के लिए नए वेरिएंट जिम्मेदार हैं। इन म्यूटेशन में वायरस के एस जीन में भी अहम बदलाव पाए गए हैं जो टीके से बनी एंटीबाडीज के बावजूद संक्रमण की वजह हो सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि दोबारा संक्रमण के बावजूद दोनों महिलाओं में जो अच्छी बात देखी गई है, वह यह है कि उन्हें संक्रमण हल्का हुआ है। जबकि एक महिला 65 वर्ष की है। वैज्ञानिकों का दावा है कि टीके के ब्रेकथ्रो संक्रमण नहीं रोक पाने के बावजूद उसके असर में कमी सकारात्मक है।

पंजाब, राजस्थान समेत 4 राज्य बोले, 1 मई से नहीं शुरू कर पाएंगे वैक्सीनेशन, टीकों की है कमी

नई दिल्ली। देश भर में 18 साल और उससे अधिक आयु वाले लोगों के टीकाकरण की 1 मई से शुरुआत होने वाली है। इस बीच देश के 4 राज्यों का कहना है कि उनके पास वैक्सीन का स्टॉक नहीं है। ऐसे में वे 1 मई से वैक्सीनेशन की शुरुआत नहीं कर सकते। कांग्रेस शासित राजस्थान का कहना है कि उसे कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने कहा है कि उसकी ओर से 15 मई से पहले सप्लाई नहीं की जा सकेगी। राजस्थान के हेल्थ मिनिस्टर रघु शर्मा ने कहा, %हमसे सीरम इंस्टिट्यूट से बात करने को कहा गया था। उनका कहना है कि हमें केंद्र सरकार से जो ऑर्डर मिले हैं, उनकी सप्लाई के लिए 15 मई तक का वक्त चाहिए होगा। इसलिए तब तक वे हमें वैक्सीन देने की स्थिति में नहीं हैं।%

रघु शर्मा ने कहा कि ऐसे में सवाल यह है कि यदि राज्य सरकारें सीधे तौर पर वैक्सीन की खरीद करना चाहती हैं तो फिर उसकी प्रक्रिया होगी? यह केंद्र सरकार को फैसला करना चाहिए। हमारे सामने सवाल यह है कि राजस्थान में 3.13 करोड़ लोग 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग में हैं। लेकिन हम इन लोगों का वैक्सीनेशन कैसे कर सकेंगे? उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को सीरम इंस्टिट्यूट और भारत

बायोटेक को आदेश देना चाहिए कि वह राज्यों को वैक्सीन की जरूरी सप्लाई कर सके। इसके अलावा रेट को लेकर भी उन्होंने कहा कि हम कीमत अदा करने को तैयार हैं, लेकिन सभी के लिए एक ही रेट होना चाहिए।

राजस्थान के अलावा छत्तीसगढ़, पंजाब और झारखंड का भी कहना है कि उनके यहां वैक्सीन के स्टॉक की कमी है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब में कांग्रेस का शासन है, जबकि झारखंड में झामुमो के साथ कांग्रेस सत्ता में है। छत्तीसगढ़ के हेल्थ मिनिस्टर टीएस सिंह देव और पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने भी रघु शर्मा की बात का समर्थन किया है।

राज्य बोले, हम तो तैयार, पर वैक्सीन की है कमी

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि असम की ओर से वैक्सीन का ऑर्डर दिया गया था, लेकिन उन्हें बताया गया कि एक महीने के बाद ही सप्लाई मिल सकेगी। सभी 4 स्वास्थ्य मंत्रियों ने कहा कि हमने 1 मई से वैक्सीनेशन की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन दवा कंपनियों ने सप्लाई से इनकार किया है। सिद्धू ने कहा, 'यदि वैक्सीन उपलब्ध नहीं हुई तो फिर टीकाकरण किसी भी तरह से नहीं हो सकेगा। स्थिति एकदम साफ है। केंद्र सरकार का कहना है कि सभी का वैक्सीनेशन शुरू किया जाए, लेकिन टीका उपलब्ध नहीं है। पूरे देश को भ्रमित किया जा रहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कमियों के खिलाफ

भारत में प्रतिदिन कोरोना मामले रिकॉर्ड 3,49,691 तक पहुंच गए हैं और इलाजरत मरीजों की संख्या 26 लाख के पार चली गई, लेकिन तब भी हमें पूरी हिम्मत से काम लेना है। कितनी भी कठिनाई आए, हमें उम्मीद का दामन नहीं छोड़ना है। यह एक-एक व्यक्ति के लिए सोचने का समय है कि वह समस्याओं का हिस्सा है या समाधान खोजती-करती सेना में शामिल है। जिस तरह से इलाज के जरूरी संसाधनों का अभाव हुआ है, जिस तरह की बदइंतजामियों को हमने देखा है, उन्हें भुलाना कठिन है। आपदा जब हमारे दरवाजे तोड़ने लगे और तब जिन लोगों की नींद खुले, ऐसे लोगों को यह देश जिम्मेदारी वाले पदों पर नहीं रख सकता। सरकार और गली-मुहल्ले के उन चेहरों को पहचान लेना चाहिए, जिन्होंने आपदा के समय लोगों को छला है। यह महामारी हमारे चरित्र के निंदनीय पहलुओं को सरेराह कर दे रही है। समाज के लापरवाह और निर्दयी चेहरों को देर-सबेर शिकंजे में लेना होगा। अभाव और दर्द की हर तरफ बिखरी गाथाएं गवाह हैं, निश्चित ही देश में जमकर जमाखोरी और कालाबाजारी हुई है, हमारी सरकारों से आने वाले समय में जरूर पूछा जाएगा कि जब लूट मची थी, तब लुटेरों का हिसाब-किताब कितना किया गया? जमाखोरों के खिलाफ सख्ती की बात प्रधानमंत्री की बैठक में भी उठी थी, लेकिन जमीन पर कितनी सख्ती हुई? हमारी व्यवस्था में आम और खास का फर्क तो हर जगह और हर स्तर पर है, इसमें भी संदेह नहीं कि अनेक ऐसे खास लोग ही लूट या जमाखोरी की स्थिति पैदा करते हैं। जब व्यवस्था के कुछ खास हिस्से जमाखोरी के लिए माहौल तैयार कर रहे हों, तब जमाखोरों के खिलाफ कदम कितनी ईमानदारी से उठेंगे? इतिहास में दर्ज किया जाएगा कि इस देश में जब जरूरत थी, तब लोगों को कई गुना कीमत पर दवाइयां बेची गईं और दोगुनी कीमत पर नारियल पानी जैसा सामान्य पदार्थ। कच्चे नारियल के लिए किसानों को बमुश्किल दस रुपये प्रति नग मिलते हैं, लेकिन यही नारियल सामान्य ठेले वालों ने आठ गुना मूल्य पर बेचे हैं? मतलब कई अस्पतालों, कंपनियों से लेकर ठेलों तक ने यह बता दिया है कि मौके का फायदा उठाना क्या होता है? इसमें सरकार क्या कर सकती थी, यह नीति निर्धारकों को आगे ध्यान में रखना होगा। कमियां दर्ज हो चुकी हैं, लेकिन यह समय आपस में लड़ने-भिड़ने का नहीं है, किसी डॉक्टर को लहूलुहान करने का नहीं है, जैसा कि बक्सर में किया गया। यह समय अफवाह फैलाने या सरकार या किसी नेता को अपशब्द कहने का भी नहीं है, यह समय शुद्ध रूप से रोगियों की सेवा का है। जो बीमार हैं, उनका दिल तो यही गुहार लगा रहा होगा कि अभी लड़ो मत, जल्दी से जल्दी मेरा हर संभव इलाज करो। जो देश अस्पताल में है, उसे सही इलाज मिले और जो देश अस्पताल के बाहर मदद मांग रहा है, उसे हर संभव मदद मिले, मानवीयता यही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश भर में मई-जून में प्रति व्यक्ति पांच किलो अतिरिक्त अन्न (चावल/गेहूं) मुफ्त दिया जाना है। यह सुनिश्चित करना होगा कि खाद्य और राशन की व्यवस्था मुकम्मल रहे। जहां किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अनर्गल या लोगों को अवसाद में डालने वाले पोस्ट पर लगाम लगे, वहीं सही आलोचनाओं के प्रकाश में आगे बढ़ चलना होगा।

आज के ट्वीट

सहयोग एवं सम्मान

कोरोना की लड़ाई में शामिल योद्धाओं का सहयोग एवं सम्मान करें। कोरोना की लड़ाई के लिए आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं एवं ऑक्सीजन इत्यादि का अनावश्यक भंडारण न करें। अफवाहों से बचें।

-- योगी आदित्यनाथ

कोरोना: इलाज के नाम पर मची लूट

सुरेन्द्र कुमार किशोरी

पिछले वर्ष कोरोना का अटैक होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर योजना की शुरुआत की गई। बड़े पैमाने पर लोगों को स्वरोजगार देकर उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाया जाने लगा। इसी दौरान प्रधानमंत्री द्वारा लोगों से आपदा में अवसर तलाशने की अपील की गई, इसके सार्थक परिणाम भी दिखे। इस वर्ष जब कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने कहर बरसाना शुरू किया तो स्वास्थ सेवा से जुड़े लोग आपदा में भी लूट से बाज नहीं आ रहे हैं। अस्पतालों द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजों से इलाज के लिए प्रत्येक दिन 30 से 40 हजार रुपये वसूले जा रहे हैं। एंबुलेंस वाले मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के नाम पर पांच गुना से भी अधिक ले रहे हैं, जो एंबुलेंस वाले को पैसा नहीं देते उसकी मौत तड़प-तड़प कर हो रही है। अस्पतालों का तो बिल भरना ही होगा, वरना धरती के भगवान कुछ भी कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी अस्पताल वाले लूटी मचा रहे हैं, लेकिन जब कुछ लोग मनमाना पैसा वसूल रहे हैं तो बदनामी सबकी होगी। डॉ. अभिषेक कुमार कहते हैं कि कुछ लोगों के लिए आपदा भयादोहन कर मरीजों के आर्थिक शोषण का जरिया बन गयी है। अभी के समय में मौसम में परिवर्तन होता है, जिसके कारण सर्दी-गर्मी में उतार-चढ़ाव होता रहता है। तापमान में होने वाला यह परिवर्तन बैक्टीरिया, वायरस तथा दूसरे पैथोजन के लिए ऑप्टिमम टेम्परेचर प्रदान करता है, जिससे इंफेक्शन का चांस बढ़ जाता है। अक्सर इस मौसम में लोगों को सर्दी-खांसी, बुखार अर्थात सामान्य फ्लू और पेट की समस्या परेशान करती है। लोगों को सामान्य फ्लू और कोरोना के बीच में अंतर समझना आवश्यक है। वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न लक्षण गले में कुटकुटाहट, खुश्की, सुखी खांसी एवं छींक है। साधारण जुकाम का लक्षण खांसी, बलगम, छींक एवं नाक बहना है। सामान्य फ्लू का लक्षण खांसी, बलगम, छींक, बहती नाक, बुखार, शरीर में ऐंठन युक्त दर्द, सर दर्द एवं कमजोरी है। जबकि, कोरोना का लक्षण सुखी खांसी, छींक, शरीर में अत्यधिक दर्द, तेज सिर दर्द, तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, सांस लेने में तकलीफ तथा अतिरिक्त लक्षण दस्त, स्वादहीनता एवं गंधहीनता है। इस कोरोना काल में अगर कोई मरीज वायु प्रदूषण जनित व्याधि या साधारण जुकाम अथवा फ्लू से पीड़ित होता है तो उसे कोरोना का डर सताने लगता है। मरीज घबराया हुआ डॉक्टर के पास जाता है। एक डॉक्टर का कर्तव्य होता है कि वह मरीजों को चिकित्सा देने के साथ-साथ उसे हौसला दे ताकि मरीज आत्मविश्वास के साथ व्याधि से लड़कर उसे हरा सके। कोरोना की दूसरी लहर की मारकता से जब आमलोग भयाक्रांत हैं तो डॉक्टर का कर्तव्य कई गुना बढ़ गया है। लेकिन, कोरोना काल के इस अध्याय में कुछ डॉक्टर ऐसे भी हैं जो मरीज के जुकाम या फ्लूग्रस्त होने भर से मरीज का भयादोहन करने में लगे हैं। मरीज की सुरक्षा के लिए कोविड की जांच करनवाने भर से कोई आपत्ति नहीं हो सकती है। लेकिन मरीज के सामने यह बोलकर की इतने लोग मर रहे हैं तो आपके ठीक होने की क्या गारंटी है, इसलिए आपको जो सब टेस्ट करवाने कह रहा हूँ, करवाइए तभी दवा लिखा जाएगा। यह कहकर ऊलजलूल ब्लड टेस्ट, ईसीजी, इको, अल्ट्रासाउंड, ब्रेन का सिटीस्कैन आदि करवाने की क्या जरूरत है। कुछ डॉक्टर तो अपने नजदीकी व्यक्ति से कंसल्टेंसी फीस नहीं लेकर उन्हें भी उल-जलूल टेस्ट लिखने से बाज नहीं आ रहे हैं। यह तो थी अस्पताल में इलाज की बात, अब थोड़ी चर्चा रेमिडिसिवीर की कर ली जाय। कोरोना की बहुत दुःखद और भयावह स्थिति है। एक तरफ कोरोना के कारण लोगों की मौत हो रही है तो दूसरी तरफ कालाबाजारी अपने चरम है। रेमिडिसिवर एक ऐसा इंजेक्शन है जिससे कोरोना ठीक होने की गारंटी कतई नहीं है । रेमिडिसिवीर एक न्यूक्लियोसाइड राइबोन्यूक्लिक एसिड (RNA) पोलीमरेज इनहिबिटर इंजेक्शन है। इसका निर्माण सबसे पहले वायरल रक्तस्रावी बुखार इबोला के इलाज के लिए किया गया था। इसे अमेरिकी फार्मास्युटिकल गिलियड साइंसेज द्वारा बनाया गया है। फरवरी 2020 में यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शस डिजीज (NIAID) ने SARS-CoV-2 के खिलाफ जांच के लिए रेमिडिसिवीर का ट्रायल करने की घोषणा की थी। यह इंजेक्शन कोरोना वायरस के कारण लंग इंफेक्शन की प्रारंभिक स्थिति में ही कारगर है। हरेक कोरोना पीड़ित व्यक्ति को इसकी कतई आवश्यकता नहीं है। रेमिडिसिवर से बेहतर रिजल्ट तो लाइफ सेविंग ड्रग डेकसामीथासोन जैसा लांग लास्टिंग स्टेरॉयड दे सकता है। 85 प्रतिशत कोरोना पीड़ित व्यक्ति बिना की विशेष चिकित्सा के होम आइसोलेशन और अजिथ्रोमाइसिन, सिफएक्सिम, पैरासिटामोल, विटामिन-सी, जिंक युक्त मल्टीविटामिन, मोन्टीलुकास्ट-लिवोसिट्रीजन जैसे दवाओं के सेवन और काढ़ा तथा स्टीम इंहेलेशन से स्वस्थ हो रहे हैं। 10 - 15 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता होती है। जबकि बमुश्किल 5 प्रतिशत मरीजों को जो दूसरी गंभीर बीमारी से भी ग्रसित होते हैं को ही वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है। फिर रेमिडिसिवर पर इतनी हाय-तौबा क्यों मची है, उत्तर बेहद संक्षिप्त है 'कॉरपोरेट हॉस्पिटल और ड्रग माफिया का गठजोड़।' एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया कहते हैं कि ये कोई जादुई दवा नहीं है। वहीं, मेदांता के चेयरमैन नरेश त्रेहान का कहना है कि ये कोई 'रामबाण' नहीं है। यह दवा सिर्फ जरूरतमंद बीमार लोगों में वायरल लोड को कम करती है। एक हेल्थ केयर प्रोफेशनलिस्ट होने के नाते मैं खुद यह सोच रखता हूँ कि अगर कोरोना का कोई सिंगल की ट्रीटमेंट है तो वह है ऑक्सीजन की उपलब्धता। सरकार, स्थानीय प्रशासन और हॉस्पिटल प्रबंधन को ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित रखनी चाहिए। अब समझते हैं कॉरपोरेट हॉस्पिटल और ड्रग माफिया गठजोड़ को। आम तौर पर रेमिडिसिवर दवा की कीमत 28 सौ से 54 सौ रुपये होती है। लेकिन जब अस्पताल प्रबंधन के द्वारा कोरोना के इलाज के लिए भर्ती मरीज के परिजनों को यह बताया जाता है कि मरीज के जीवन की रक्षा के लिए यह इंजेक्शन बेहद जरूरी है, आप कहीं से भी इसे खरीद कर लाइये तभी मरीज की जान बच सकती है। ऐसा सुनकर मरीज के परिजन पहले शहर में स्थित तमाम दवा की दुकानों की खाक छानते हैं, फिर निराश होकर हॉस्पिटल पहुंचते हैं और हॉस्पिटल प्रबंधन के आगे गिरगिराते हैं। किसी भी कीमत अदा कर रेमिडिसिवर इंजेक्शन दिलवाने की बात करते हैं, तो मरीज के परिजनों को इंजेक्शन प्राप्ति का पहला सूत्र हॉस्पिटल प्रबंधन से मिलता है। फिर तीन-चार भाया मीडिया से गुजरने के बाद आखिरकार मरीज के परिजन के नजरों के सामने रेमिडिसिवर इंजेक्शन का वाइल आता है। फिर शुरू होता है कीमत में वारगेन का खेल 40 हजार-45 हजार पर वाइल से शुरू हुआ सौदा अंततः 20 हजार-25 हजार प्रति वाइल पर पटता है। मेडिकल सेक्टर में कमीशनखोरी के धंधे से कौन अनजान है? सामाजिक कार्यकर्ता रामकृष्ण कहते हैं कि इस विश्वव्यापी आपदा काल में लूट मचाई जा रही है। जिंदगी और मौत से जूझते लोगों को जमकर लूटा जा रहा है। आम आदमी जिसके पास पैसा नहीं है, वह बगैर दवा और इलाज के मर रहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

भाग्य का महत्त्व

सद्गुरु/ जो लोग भाग्य में विश्वास रखते हैं, उसके सहारे रहते हैं, वे हमेशा तारों, ग्रहों, स्थानों की तरफ देखते रहते हैं। यहां तक कि वे भाग्यशाली जूतों, भाग्यशाली साबुन, भाग्यशाली नंबर तथा इसी तरह की चीजों को ढूंढते रहते हैं। भाग्य के सहारे आगे बढ़ने की चाह में वे उन चीजों को भी खो देते हैं, जो वे खुद आराम से कर सकते थे। आप की शांति या अशांति, आप की स्वस्थ मानसिकता या आप का पागलपन, आप की खुशी या आप का दुख, आप के अंदर भगवान या शैतान, ये सब आप का काम है, आपका किया धरा है। आज सुबह से शाम तक आपने कैसा अनुभव किया, यह आप पर निर्भर करता है। अपने आसपास के लोगों के साथ आप का कितना टकराव है, यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों को तथा उनकी सीमाओं और संभावनाओं को समझने में कितने असंवेदनशील रहे। यह इस बात से बिल्कुल भी तय नहीं होता कि आप कौन सा भाग्यशाली पत्थर या तावीज पहने हुए थे। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी संवेदनशीलता, बुद्धिमत्ता और जागरूकता के साथ अपने आसपास के जीवन को देखते हैं, काम करते हैं और रहते हैं। एक दिन दो इंसान हवाई अड्डे पर मिले। उनमें से एक बहुत ही ज्यादा दुखी, परेशान दिख रहा था। दूसरे ने पूछा, 'आप को क्या हुआ है?' पहला बोला, 'क्या-क्या बताऊं? मेरी पहली पत्नी कैंसर से मर गई, दूसरी पड़ोसी के साथ भाग गई, बेटा जेल में है क्योंकि उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की, मेरी 14 साल की बेटी गर्भवती है, मेरे घर पर बिजली गिर पड़ी, शेयर बाजार में आज मेरे सारे शेयर्स के भाव गिर गए और आज मेरी मेडिकल रिपोर्ट आई है, जिससे पता चला है कि मुझे एड्स है।' दूसरा बोला, 'ओह, आप का भाग्य कितना खराब है! वैसे आप काम क्या करते हैं?' पहले ने जवाब दिया, 'मैं लकी चार्म बेचता हूं'! बात यह है कि यदि आप एक खास तरह के हैं तो एक खास तरह की चीजें आप की ओर आकर्षित होंगीं। अगर आप किसी दूसरी तरह के हैं तो फिर कुछ और तरह की चीजें आप के लिए होंगी। अगर किसी स्थान पर एक फूलों वाली झाड़ी है और एक कंटीली, सूखी झाड़ी है तो सभी मधुमक्खियां फूलों वाली झाड़ी की ओर जाएंगी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

हर तकलीफ में दवा देते हैं हौसले

नरपत दान बारहठ

किसी ने क्या खूब कहा है 'हौसले भी किसी हकीम से कम नहीं होते/हर तकलीफ में ताकत की दवा देते हैं। या फिर-ख़्वाब टूटे हैं मगर हौसले ज़िन्दा हैं/हम वो हैं, जहां मुश्किलें शर्मिंदा हैं।' ये शे'र बताते हैं कि मुसीबतों के दौर में हिम्मत और हौसला कितना मायने रखता है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि मुझे यह लगता है कि डर का न होना हिम्मत नहीं है बल्कि डर पर विजय पाना हिम्मत है, बहादुर वह नहीं है, जिसको भय नहीं होता बल्कि बहादुर वह है जो उस भय को मात दे दे। वहीं नेपोलियन बोनापार्ट का कथन है-साहस सिर्फ आगे बढ़ने की शक्ति नहीं है बल्कि यह शक्ति न होने पर भी आगे बढ़ते जाना है! आज के इस महामारी के दौर में जब मुसीबतें लगातार सामने आ रही हैं, तब हिम्मत और हौसले की जरूरत कहीं अधिक है। बीमारी के बाद अनहोनी की आशंका भय, निराशा और तनाव पैदा कर रही है। सबसे बडा कारण है, कोरोना के बाद एकांतवास में रहना। इस एकाकीपन में दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं जो भीतर की ऊर्जा को कमजोर करते हैं। वहीं बीमारी के बाद अस्पताल, दवा, देखभाल आदि को लेकर भी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हमें अपनी तरह से जो भी बन पड़े, वह सहायता करनी चाहिए। यूं भी किसी परेशान को जब कोई कहता है कि मैं आपकी क्या हेल्प कर सकता हूं, तो यह किसी दवा से कम काम नहीं करता। यह वाक्य पीड़ित के अंदर हौसला और हिम्मत पैदा करता है। जरा कल्पना कीजिये कि लिफ्ट नहीं है और आपको दसवीं मंजिल पर जाना है, सीढ़ियां हैं पर पैरों में तकलीफ है। ऑफिस के लिये देर हो रही है, पर कोई साधन नहीं है। अचानक कोई पीछे से आकर कहता है-फिक्र क्यों करते हो, चलो मैं लेकर चलता हूं। कैसा लगेगा? अवश्य ही सुकून देने वाला। आज महामारी के तनाव भरे वातावरण में पीड़ित व्यक्ति मायूस और असहाय महसूस कर रहे हैं। और कुछ ऐसे भी हैं, जो किसी ना किसी अन्य कारण से परेशान हैं, उदास हैं, अकेले हैं, वे किसी ना किसी समाधान की तलाश में हैं, चाहे वह आपके माता-पिता हों या आपके मित्र। उन्हें संबल और हौसला चाहिए। और इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ऐसे माहौल में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं। हमारी ऐसी ही कई छोटी-छोटी बातें हैं, जो निराशा या हताशा से घिरे व्यक्ति को हौसला दे सकती हैं। चूंकि कोरोना बीमारी में अकेलेपन से निराशा और तनाव में घिरा व्यक्ति अपने आपको अकेला महसूस करता है। उसे लगता है कि वह किसी अंधेरी जगह में अकेले ही रास्ता तय कर रहा है। ऐसे में परिवार या दोस्तो के लिये उस व्यक्ति को यह अहसास दिलाना जरूरी है कि वह इस समस्या को अकेले नहीं झेल रहा, सभी लोग उसके उसके साथ हैं। इससे व्यक्ति में हिम्मत आती है और उसे लगता है कि वो जल्दी वापसी करेगा। मैं हूं ना, ये तीन शब्द जादू का काम करते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी उदास या मुसीबत में फंसे व्यक्ति के लिये थोड़ा सा भी प्रयास करना उसे उम्मीद, हिम्मत और हौसला देता है। किसी के लिये दवा या टैक्सी का प्रबंध कर देना, किसी को भोजन देना, किसी को लिफ्ट दे देना, उनके लिये अपने किसी जानकार व्यक्ति से बात करना, उनके साथ डॉक्टर के पास जाना, उनके साथ समय बिताना, उनकी बातें सुनना आदि कई ऐसी छोटी बातें हैं, जो दूसरो के लिये आपके सोचे हुए से कई अधिक महत्व रखती हैं। ऐसा भी कई बार होता है जब स्थितियां नियंत्रण से बाहर होती हैं। आप लंबी बीमारी के कारण या फिर मानसिक रोग से गुजर रहे होते हैं। इसमें उसका खुद का कोई दोष नहीं है, यह बात रोगी को समझाना बहुत जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने से उसकी समस्याएं और बढ़ जाती हैं क्योंकि खुद को दोषी मानकर वह हौसला और हिम्मत खो देता है। इस तरह ज़िंदगी में और भी अनेक समस्याएं हैं, जिनका दोषी व्यक्ति खुद को मानने लग जाता है। ऐसे कठिन पलों में आपका उन्हें यह अहसास दिलाना जरूरी है कि इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। आपका ऐसा करना उनमें खुशी और जोश का संचार करता है। क्या आपको मदद चाहिए या मैं आपके लिये क्या कर सकता हूं, ऐसा पूछना दूसरे व्यक्ति की मदद करने का ही एक तरीका है। परेशान व्यक्ति के साथ संवेदनात्मक, भावनात्मक मानवीय व्यवहार करना, उनका हाल पूछना, उनके साथ हंसी-मज़ाक करना, उनकी पसन्द की चीजें करना, निराशा में घिरे व्यक्ति जीवन में संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी मुसीबत या लंबी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को उसकी सोच के साथ अकेले छोड़ देना उसकी मुश्किलों को बढ़ावा देने जैसा है। निराश व्यक्ति यदि खुद को कोस रहा है, तो आप उसे कहें कि ऐसे समय में ये विचार आते हैं। स्थिति इतनी बुरी नहीं है, कुछ बुरा नहीं होगा। हम आपके साथ हैं। बस आप भरोसा और हौसला रखें। सब ठीक होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेल कंपनियों ने 965 टन आक्सीजन चिकित्सा जरूरतों के लिए भेजा

नई दिल्ली।

देश में कोराना वायरस की दूसरी लहर के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अपने संयंत्रों से 965 टन आक्सीजन को चिकित्सा जरूरत के लिए भेज रही हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने यह कहा। मंत्रालय ने एक के बाद एक कई ट्वीट में कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की देश की जरूरत को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आपूर्ति श्रृंखला में जो अनदेखे स्थान रह गए उनकी कमी को दूर किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोलियम क्षेत्र वर्तमान में रोजाना 965 टन तरल चिकित्सा आक्सीजन की आपूर्ति कर रहा है। तेल कंपनियों की रिफाइनरियों और संयंत्रों ने औद्योगिक इस्तेमाल के लिये अपनी जरूरतों को कम करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में काम आने वाले तरल आक्सीजन का अधिक से अधिक उत्पादन करना शुरू कर दिया है।

उसने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के सभी पेट्रोलियम उपक्रम देशभर में 93 स्थानों पर चिकित्सा आक्सीजन उत्पादन संयंत्र लगाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके जरिये अस्पतालों में खुद के आक्सीजन उत्पादन सुविधा खड़ी की जा सकेगी। इससे अस्पतालों में चिकित्सा श्रेणी की आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा।भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी रोजाना 10 हजार टन गैस आक्सीजन और चार लाख लीटर पीने का पानी कोविड- 19 अस्पताल को आपूर्ति कर रही है। एक हजार बिस्तरों का यह अस्पताल मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रिफाइनरी के नजदीक ही बनाया जा रहा है।इंडियन आयल को भी चिकित्सा आक्सीजन की आपूर्ति में आने वाली विभिन्नि सुविधाओं, परिवहन और आपूर्ति रुकावटों को दूर करने के लिये कहा गया है।

सीबीआईसी ने कोविड के इलाज से संबंधित आयात को जल्द मंजूरी के लिये सहायता प्रकोष्ठ बनाया

नयी दिल्ली,

सीबीआईसी ने सोमवार को कहा कि उसने कोविड संबंधी आयात से जुड़े सवालों के समाधान के लिए एक सहायता प्रकोष्ठ बनाया है, ताकि सीमा शुल्क विभाग से ऐसे सामान की त्वरित निकासी हो सके। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि उसे शुल्क में छुट, निकासी प्रक्रियाओं, विभिन्न मंत्रालयों से पंजीकरण की जरूरत आदि से जुड़े सवाल मिल रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाने और व्यापार से जुड़े सभी सवालों और शिकायतों के समाधान के लिए सीबीआईसी ने एक खास प्रकोष्ठ की स्थापना की है। इस सहायता प्रकोष्ठ पर मिलने वाले अनुरोधों का जल्द समाधान किया जाएगा।'' व्यापार संबंधी निकासी को संभालने के लिए एक ऑनलाइन फार्म भी तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग को ऐसे उपकरणों की निर्बाध और तेज निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद राजस्व विभाग ने सीमा शुल्क निकासी से संबंधित मुद्दों के लिए सीमा शुल्क संयुक्त सचिव गौरव मसलदन को नोडल अधिकारी नामित किया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे चढ़कर 74.73 रुपए पर बंद हुआ

मुंबई: वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के रुख से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे की मजबूती के साथ 74.73 (अस्थायी) रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया 74.81 प्रति डॉलर पर खुला। उसके बाद कारोबार के दौरान यह 74.67 से 74.88 रुपए प्रति डॉलर के बीच रहा। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 28 पैसे की तेजी दर्शाता 74.73 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबार सत्र शूक्रवार को रुपया 75.01 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत के नुकसान के साथ 90.78 रह गया। इस बीच, वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 1.86 प्रतिशत के नुकसान के साथ 64.88 डॉलर प्रति बैरल रह गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे जिन्होंने शुक्रवार को बाजार में 1,360.76 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की।

पावरग्रिड इनविट का आईपीओ 29 अप्रैल को खुलेगा, कीमत दायरा 99-100 रुपये प्रति इकाई तय

नयी दिल्ली, पावर ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट ने अपनी 7,735 करोड़ रुपये की शुरुआती सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए बोली का दायरा 99-100 रुपये प्रति यूनिट तय किया है और आईपीओ 29 अप्रैल को खुलेगा। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि निर्गम तीन मई को बंद होगा और एंकर निवेशकों के लिए बोली 28 अप्रैल को खुलेगी। पावर ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (पावरग्रिड इनविट) का स्वामित्व पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के पास है। यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के इनविट का पहला निर्गम है। आईपीओ में 4,993.48 करोड़ रुपये के ताजा शेयरों की पेशकश की गई है, जबकि इसमें 2,741.50 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल है।

एयरफेयर कैप की अवधि को 31 मई तक बढ़ाया गया

नई दिल्ली। केंद्र ने वर्तमान एयरफेयर कैप की वैधता अवधि के साथ साथ विमान सेवाओं के क्षमता उपयोग को 31 मई तक बढ़ा दिया है। दो अलग अलग आदेशों में से एक में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान किराया की समयावधि को 30 अप्रैल से 31 मई तक बढ़ाया गया। ये फेयर बैंड्स 21 मई, 2020 से लागू हो गए थे। किराया संरचना के तहत, हवाई मार्गों को यात्रा के समय के आधार पर खंडों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक खंड का न्यूनतम और अधिकतम किराया होता है। इसी तरह, एक अन्य आदेश में, एयरलाइंस को केवल ग्रीष्मकालीन अनुसूची 2020 में 80 प्रतिशत क्षमता को तैनात करने की अनुमति दी गई थी।

आरबीआई बैंक विलय पर ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण करेगा

मुंबई:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल में हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय के संबंध में ग्राहकों की संतुष्टि के बारे में पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण करने का फैसला किया है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के तहत अन्य सवालों के अलावा यह भी पूछा जाएगा कि क्या विलय ग्राहक सेवाओं के लिहाज से सकारात्मक रहा या नहीं। इस सवाल के जवाब में ग्राहकों के पास- अत्यधिक सहमत, सहमत, ठीकठाक, असहमत, अत्यधिक असहमत, जैसे विकल्प होंगे। प्रस्तावित सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित 21 राज्यों के कुल 20,000 उत्तरदाता शामिल होंगे और इसमें कुल 22 प्रश्न होंगे। इन 22 सवालों में चार सवाल खासतौर से उन बैंकों के ग्राहकों के लिए हैं, जिनकी शाखाओं का दूसरे बैंक की शाखाओं में विलय किया गया है। इन ग्राहकों से ग्राहक सेवाओं और शिकायतों के समाधान को लेकर उनके अनुभवों के बारे में पूछा जाएगा। पीएसबी बैंकों के विलय के तहत देना बैंक और विजया बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाया गया था, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को पंजाब नेशनल बैंक में मिलाया गया, केनरा बैंक के साथ सिंडिकेट बैंक को मिलाया गया। इसके अलावा इंडियन बैंक के साथ इलाहाबाद बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का विलय हुआ। इसके अलावा लक्ष्मी विलास बैंक का डीबीएस बैंक में विलय किया गया।

रिलायंस फाउंडेशन की बड़ी पहल, कोरोना मरीजों के लिए किया 875 बेड का इंतजाम

बिजनेस डेस्क:

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की परोपकार शाखा रिलायंस फाउंडेशन ने एक बयान में कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर बढ़ती चिकित्सा जरूरतों को देखते हुए मुंबई में अपने अभियान को तेज किया है। रिलायंस फाउंडेशन के अस्पतालों- भारतीय राष्ट्रीय खेल क्लब (एनएससीआई), सेवन हिल्स अस्पताल और ट्राइडेंट, बीकेसी में लगभग 875 बिस्तरों का इंतजाम किया गया है, जिसमें 145 आईसीयू सुविधा से लैस हैं। एक बयान के मुताबिक एनएससीआई में सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में 650 चिकित्सा बिस्तरों का इंतजाम किया जाएगा।

बयान में आगे कहा गया कि रिलायंस फाउंडेशन 100 नए सघन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) बिस्तरों की स्थापना और प्रबंधन करेगा, जिसे 15 मई 2021 से चरणबद्ध ढंग से चालू किया जाएगा। इसके साथ ही सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल कोविड रोगियों के लिए लगभग 650 बेड का संचालन और प्रबंधन करेगा।

875 बेड का प्रबंधन करेगा रिलायंस

बयान में कहा गया कि मरीजों के इलाज के लिए चिकित्सकों, नर्सों और गैर-चिकित्सा पेशेवरों के रूप में 500 से अधिक कार्यकर्ता दिनरात सेवा में लगे हुए हैं। इलाज का पूरा खर्च, जिसमें आईसीयू बेड और मॉनिटर, वेंटिलेटर और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं, रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें आगे कहा गया कि एनएससीआई और सेवन हिल्स अस्पताल में सभी कोविड रोगियों का बिल्कुल मुफ्त इलाज किया जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा कि कुल मिलाकर फाउंडेशन लगभग 875 बेड का प्रबंधन करेगा, जिसमें 145 आईसीयू बेड शामिल हैं।

रिलायंस प्रतिदिन दे रहा 700 टन ऑक्सीजन

उन्होंने कहा, 'रिलायंस फाउंडेशन हमेशा देश की सेवा में सबसे आगे रहा है और यह हमारा कर्तव्य है कि हम महामारी के खिलाफ भारत की अथक लड़ाई में योगदान करें।'' उन्होंने कहा कि रिलायंस गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दमन, दीव और नगर हवेली को 700 टन ऑक्सीजन रोज दे रहा है।

सेंसेक्स 508 अंक उछला: बैंक, रिलायंस के शेयर चमके, निफ्टी 14,450 से ऊपर निकला

मुंबई:

शेयर बाजारों में सप्ताह की शुरूआत तेजी के साथ हुई और बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को 508 अंक का उछाल आया। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के बावजूद निवेशकों ने बैंक, खपत और ऊर्जा कंपनियों से जुड़े शेयरों में लिवाली की जिससे बाजार को मजबूती मिली। कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में 28 पैसे की तेजी से भी धारणा मजबूत हुई। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूअती कारोबार से ही बढ़त में रहा और अंत में 508.06 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,386.51 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 143.65 अंक यानी एक प्रतिशत उछलकर 14,485 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में एक्सिस बैंक रहा। इसमें 4.40 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक में 3.63 प्रतिशत की तेजी रही। बैंक का लाभ मार्च तिमाही में करीब चार गुना बढ़ने की रिपोर्ट से शेयर में तेजी आई। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, बजाज ऑटो और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी 2.87 प्रतिशत तक की अच्छी तेजी रही। दूसरी तरह एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, मारुति, सन फार्मा, टीसीएस, एनटीपीसी और आईटीसी सहित अन्य शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इनमें 2.87 प्रतिशत तक की गिरावट आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ÷बाजार ने कोविड-19 मामलों में तेजी को तवज्जो नहीं दी और मुख्य रूप से वित्तीय कंपनियों में अच्छी तेजी से बाजार को बल मिला।'' उन्होंने कहा कि औषधि को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख खंडवार सूचकांक लाभ में रहे। आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई मे कंपनियों के मार्च तिमाही के बेहतर परिणाम से बाजार को मजबूती मिली। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कोविड-मामलों में लगातार तेजी तथा अप्रैल के वायदा एवं विकल्प खंड के सौदों के इस सप्ताह पूरा होने को देखते हुए बाजार में आने वाले दिनों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की आगामी बैठक इस सप्ताह की महत्वपूर्ण गतिविधियां हैं। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,52,991 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,73,13,163 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 28 लाख को पार कर गई है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग नुकसान में रहे जबकि तोक्यो और सोल लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मध्याह्न कारोबार में नुकसान का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.28 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे मजबूत होकर 74.73 पर बंद हुआ।

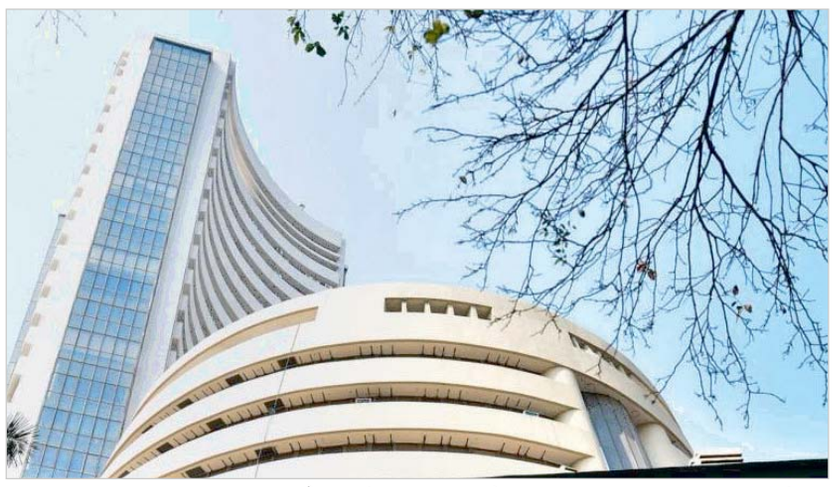

एप्पल ने भारत में 2021 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 10 लाख से अधिक आईफोन बेचे

नई दिल्ली।

तकनीकी दिग्गज एप्पल ने भारत में 2021 की पहली तिमाही में 10 लाख से अधिक आईफोन शिपमेंट (बिक्री) के साथ एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ष के पहले तीन महीनों के दौरान कंपनी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। मार्केट इंटेलिजेंस कंपनी साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के शुरूआती अनुमानों के अनुसार, जनवरी-मार्च की अवधि में आईफोन 11 और एक्सआर का एप्पल की कुल शिपमेंट में 67 प्रतिशत हिस्सा रहा। बढ़ी हुई घरेलू असेंबली के साथ पहली तिमाही में एप्पल आईफोन 11 शिपमेंट में 176 प्रतिशत (वार्षिक आधार पर) वृद्धि हुई है।इंडस्ट्रीज इंटेलिजेंस ग्रुप, सीएमआर के प्रमुख प्रभु राम ने एक बयान में कहा कि का भारत में एप्पल की एक और असाधारण तिमाही रही है और कंपनी ने पहली बार इस अवधि में 10 लाख से अधिक आईफोन की शिपमेंट (बिक्री) की है। प्रभु राम ने इस उपलब्धि को इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण माना, क्योंकि इस तिमाही को परंपरागत रूप से एक सुस्त तिमाही माना जाता है, मगर इसके बावजूद साल की पहली तिमाही में ही कंपनी का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। वर्ष 2020 की त्योहारी तिमाही (चौथी तिमाही) में एप्पल ने पहली बार भारत में अपने स्मार्टफोन बाजार के हिस्से को लगभग 4 प्रतिशत तक बढ़ाया। अक्टूबर में आने के बावजूद, आईफोन 12 ने देश में चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में कंपनी के उदय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तकनीकी दिग्गज ने अपने भारत के कारोबार में पूरे वर्ष 2020 में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) दर्ज की है, जबकि त्योहारी तिमाही में यह वृद्धि 100 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) रही।राम ने यह भी कहा कि एप्पल ने महामारी से संबंधित आपूर्ति और मांग से जुड़ी कुछ चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन वह उम्मीद कर रहे हैं कि 2021 की दूसरी तिमाही में एप्पल की वृद्धि जारी रहेगी। एप्पल ने 2017 में आईफोन एसई के साथ भारत में आईफोन का निर्माण शुरू किया था। फिलहाल एप्पल भारत में अपने कुछ सबसे उन्नत आईफोन का निर्माण कर रहा है, जिनमें एक्सआर, आईफोन 11 और आईफोन 12 शामिल हैं।

कोविड की चुनौतियों को अवसरों में बदलें: मजूमदार शॉ

जयपुर।

आईआईएम उदयपुर के छात्रों को संबोधित करते हुए बायोकॉन लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ ने कहा, कि कोविड 19 के बाद की चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करें।

वह 2019-21 एमबीए बैच के लिए हो रहे 9 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। एक साल का एमबीए,जीएससीएम और डेम बैच 2020 हाल ही में आयोजित किया गया था।किरण मजूमदार शॉ ने रीमैजिनिंग अवर फ्यूचर विषय पर स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, कोविड 19 पहली महामारी नहीं है जिसका मानवता ने सामना किया है। हमें आशा और उद्देश्य के साथ अपने भविष्य को फिर से संवारने की जरूरत है क्योंकि हर कठिनाई अभूतपूर्व अवसर पैदा करती है। प्रौद्योगिकी समर्थित स्टार्टअप हर जगह पसंद किए जा रहे हैं और व्यवसाय के अवसर बना रहे हैं, हर एक क्षेत्र के लिए अवसर पेश कर रहे हैं। कोविड 19 के बाद की चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए आपके जैसे छात्रों की आवश्यकता है। कल के लाडर्स के रूप में, मैं आप सभी को बधाई देती हूं और आपसे आग्रह है कि आप अपने उद्देश्य की राह पर चलें।अपने समापन संबोधन में, आईआईएम उदयपुर के निदेशक, प्रो जानत शाह ने कहा, पिछले साल आईआईएसयू समुदाय के लिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय था। स्नातक स्तर की पढ़ाई, उनके योगदान और प्रयासों के लिए आईआईएम उदयपुर के लिए ये एक विशेष बैच रहेगा। मैं स्नातक वर्ग से अनुरोध करता हूं कि इस उपहार को समझें जो आपको मिला है और एक अनुकरणीय लीडर बनने का प्रयास करें।

तैयार, निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं में मूल्य अंतर घटकर 3-5% रह गया: रिपोर्ट

नई दिल्ली:

तैयार आवासीय परियोजनाओं और निर्माणाधीन आवास परियोजनाओं के बीच फ्लैट का मूल्य अंतर कम होकर 3 से 5 प्रतिशत रह गया है जबकि चार साल पहले यह अंतर 9 से 12 प्रतिशत के बीच था। आवासीय परियोजनाओं पर नजर रखने वाले कंपनी एनारॉक ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा है कि घर खरीदार जोखिम के विभिन्न कारणों को देखते हुए बने बनाए मकानों को अधिक तवज्जो दे रहे हैं। एनारॉक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सात प्रमुख शहरों में निर्माणाधीन आवासीय संपत्तियों के मुकाबले तैयार आवासीय परियोजनाओं का मूल्य 3- 5 प्रतिशत तक ऊंचा रहा है। इसके मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तैयार परियोजनाओं में आवासीय इकाइयों का मूल्य औसतन 4,650 रुपए प्रति वर्गमीटर चल रहा है जबकि इसी क्षेत्र में निर्माणाधीन इकाइयों के लिए दाम 4,500 रुपए प्रति वर्गमीटर के दायरे में हे। वहीं कोलकाता की यदि बात की जाए तो यहां तैयार फ्लैट का दाम 4,465 रुपए प्रति वर्गफुट है जबकि निर्माणाधीन संपत्तियों का दाम इससे चार प्रतिशत नीचे 4,300 रुपए प्रति वर्गफुट चल रहा है। मुंबई महानगर क्षेत्र में तैयार आवासीय इकाइयों के लिए औसत दाम 10,700 रुपए प्रति वर्गुफट है जबकि निर्माणाधीन इकाइयों के लिये यह 10,350 रुपए वर्ग फुट चल रहा है। महाराष्ट्र के ही एक अन्य शहर पुणे में तैयार अपार्टमेंट के लिए औसत मूल्य 5,650 रुपए प्रति वर्गफुट बोला जा रहा है जो कि निर्माणाधीन इकाई के लिए 5,360 रुपए वर्गफुट है। हैदराबाद में भी इस तरह के तैयार और निमार्णाधीन फ्लैट के बीच मूल्य का अंतर पांच प्रतिशत रह गया है। यही स्थिति चेन्नई और बेंगलुरु में भी है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ''पहले निमार्णाधीन परियोजनाओं में खरीदारी करने वालों को एक बड़ा फायदा होता था, उसे परियोजना तैयार होने तक को धैर्य और जोखिम उठाना पड़ता था उसके बदले उसे काफी कम दाम पर संपत्ति मिलती थी लेकिन बाद में निर्माण कार्यो में देरी होने और कई परियोजनाओं के बीच में ही अटक जाने की वजह से खरीदार जोखिम उठाने को तेयार नहीं हुये और अब मांग तैयार परियोजनाओं के पक्ष में झुकी दिखाई देती है। इसके अलावा पुरी ने कहा कि तैयार मकानों पर जीएसटी नहीं लगता है, यह इसमें एक अतिरिक्त आकर्षण हो गया है।

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने रेलकर्मियों से किया संवाद, बनाया गया कोविड फंड

हाजीपुर।

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ललित चंद्र त्रिवेदी ने महासंवाद कार्यक्रम के तहत सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना के कारण उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों पर कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों एवं रेलकर्मियों के साथ विचार विमर्श किया। महाप्रबंधक ने रेलकर्मियों के हित में कोरोना से बचाव एवं इसकी चिकित्सा के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा उठाए गए कदमों से सभी को अवगत कराया। बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलकर्मियों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु समुचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना और आगे की रणनीतियों पर विचार करना था। महाप्रबंधक ने कहा कि इस कठिन दौर में हर पहलुओं की बारीकी से निगरानी और इसकी समीक्षा भी की जा रही है। कोरोना संक्रमण को देखते हुये सभी रेलवे चिकित्सालयों में चिकित्सकीय संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों का टीकाकरण कार्य निरंतर जारी है । महाप्रबंधक ने कहा, ना तो हमारे पास धन की कमी है और ना ही चिकित्सीय संसाधनों की। कोरोना संक्रमित रेलकर्मियों की सुविधा के लिए कोविड फंड बनाया गया है, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से इस कोष में पैसा जमा कराया जा रहा है। महाप्रबंधक ने दानापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, धनबाद, सोनपुर एवं समस्तीपुर सहित सभी मंडलों में कोविड कंट्रोल हेल्पलाइन नंबर प्रारंभ करने तथा कोविड के लिए एक-एक नोडल अधिकारी बनाने का आदेश मंडल रेल प्रबंधकों को दिया। ऑक्सीजन की अनिवार्यता पर बल देते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि ऑक्सीजन गैस का प्रबंध करना अभी सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए सभी मंडलों को निर्देश जारी किया गया कि अपने-अपने मंडलों में ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करें। सभी मंडलों में सेंट्रल गैस डिस्ट्रीब्यूशन का प्रबंध करने के लिए निर्देश जारी किया गया है, जिससे रेलवे चिकित्सालयों के हर बेड तक ऑक्सीजन आसानीपूर्वक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग में अनावश्यक विलंब नहीं होने की सलाह दी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कप्तान से कहा था, मैं सुपर ओवर करूंगा : अक्षर पटेल

चेन्नई। दिल्ली कैपिटल के स्पिनर अक्षर पटेल ने कहा है कि उन्होंने कप्तान ऋषभ पंत से कहा था कि वह रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में सुपर ओवर में गेंदबाजी करेंगे। पटेल ने सुपर ओवर में सिर्फ सात रन दिए और दिल्ली कैपिटल्स ने इस लक्ष्य को हासिल करके मैच जीत लिया। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को यहां के एमए चिदम्बरम स्टेडियम मेंखेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के अपने पांचवें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को सुपर ओवर में हरा दिया। दिल्ली ने पहले खेलते हुए हैदराबाद के के सामने 160 रनों की चुनौती रखी थी, लेकिन 20 ओवरों की समाप्ति तक हैदराबाद की टीम सात विकेट पर 159 रन ही बना सकी थी। पटेल ने मैच के संवाददाता सम्मेमलन में कहा, जब मैं ड्रेसिंग रूम में था, तब मैं इस विकेट के बारे में सोच रहा था और मुझे लगा कि इस विकेट पर स्पिनर अधिक प्रभावशाली होगा। जब मैं ड्रेसिंग रूम से बाहर आया तो देखा कि कोच और हर कोई बात कर रहा था। पहले मुझे लगा कि तेज गेंदबाज आवेश खान सुपर ओवर डालेगा। उन्होंने कहा, लेकिन इसके बाद मैदान पर कदम रखने के बाद मुझे लगा कि इस विकेट पर स्पिनर अधिक प्रभावी होगा। इसलिए मैंने ऋषभ से कहा कि मैं भी सुपर ओवर करा सकता हूं। फिर उन्होंने रिकी (पोंटिंग) से बात की, और अंतिम क्षण में यह तय किया गया कि मैं गेंदबाजी करूंगा।

आईपीएल-14

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से भिड़ेगी दिल्ली कैपिटल्स

अहमदाबाद।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रविवार को सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) आईपीएल के 14वें सीजन के 22वें मैच में मंगलवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से भिड़ेगी। दोनों टीमों के आठ-आठ अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट की बदौलत दिल्ली बेंगलोर से उपर दूसरे नंबर पर है। बेंगलोर को अपने पिछले मुकाबले में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 69 रनों से सीजन की पहली हार झेलनी पड़ी और इससे बेंगलोर का नेट रन रेट खराब हो गया। चेन्नई से हारने से पहले बेंगलोर ने अपने सभी चारों मैच जीते थे। मध्यक्रम में ग्लेन मैक्सवेल और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े हिटर हैं, जबकि उनके सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और कप्तान विराट कोहली का हालिया फॉर्म भी बेहतर है। दिल्ली के लिए अच्छी बात यह है कि आलराउंडर अक्षर पटेल कोविड-19 से ठीक होने के बाद टीम से जुड़ गए हैं और रविवार को उन्होंने सुपर ओवर में गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत भी दिलाने में अहम योगदान दिया है। टीम को हालांकि अपने मुख्य स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की कमी खलेगी जो रविवार के मैच के बाद वापस घर रवाना हो गए। ऑफ स्पिनर अश्विन ने आईपीएल से विराम ले लिया है क्योंकि वह कोविड-19 महामारी के दौरान वह अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं। । अश्विन की गैर मौजूदगी में अमित मिश्रा और पटेल टीम की स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। दोनों ने पिछले मैच में हैदराबाद के खिलाफ अंतिम आठ ओवरों में केवल 57 रन खर्च किए थे और तीन विकेट लिए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि कैगिसो रबाडा मैक्सवेल और डिविलियर्स के सामने किस तरह की गेंदबाजी करते हैं। दिल्ली का टॉप आर्डर काफी मजबूत है।

टीमें :

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, स्टीव स्मिथ, सैम बिलिंग्स, शिमरोन हेटमेयर, ईशांत शर्मा, कैगिसो रबाडा, एरिक नॉर्टजे, उमेश यादव, टॉम कुरेन, अवेश खान, ललित यादव, प्रवीण दुबे रिपल पटेल, लुकमान मेरीवाला, एम सिद्धार्थ, मार्कस स्टोइनिस, एक्सर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, क्रिस वोक्स, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), आदित्य तारे (विकेटकीपर)।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : विराट कोहली (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, फिन एलन (विकेट-कीपर), एबी डिविलियर्स (विकेट-कीपर), पावन देशपांडे, वाशिंगटन सुंदर, डेनियल लेम्स, युजवेंद्र चहल, एडम जम्पा, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज , नवदीप सैनी, केन रिचर्डसन, हर्षल पटेल, ग्लेन मैक्सवेल, सचिन बेबी, रजत पाटीदार, मोहम्मद अजहरुद्दीन, काइल जैमीसन, डैनियल क्रिश्चियन, सुयश प्रभुदेसाई, केएस भारत।

टेनिस : नडाल ने 12वीं बार जीता बार्सिलोना ओपन खिताब

बार्सिलोना।

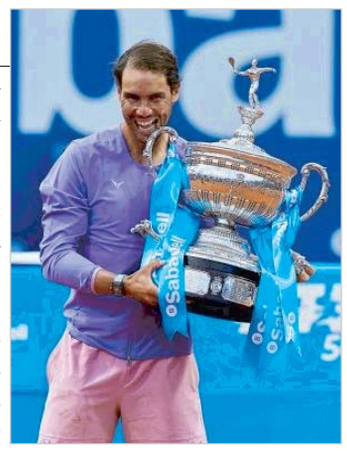

विश्व रैंकिंग में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल ने वर्ल्ड नंबर 5 मिस्र के स्टेफानोस सितसिपास को 6-4, 6-7, 7-5 से हराकर करियर में 12वीं बार बार्सिलोना ओपन का खिताब जीत लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नडाल ने इल्या इवाश्का, केई निशिकोरी, कैमरन नॉरी और पाब्लो कैरेनो बुस्टा अगुट को हराकर फाइनल में पहुंचा, जहां उन्होंने सितसिपास को मात देकर खिताब अपने नाम किया। नडाल ने इससे पहले, 2018 में भी बार्सिलोना ओपन के फाइनल में सितसिपास को मात देकर यह खिताब जीता था। नडाल ने जीत के बाद कहा, इस खिताब का मेरे लिए काफी महत्व है। एक साल बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलना सुखद एहसास है। स्टेफानोस एक अविश्वसनीय प्रतिद्वंद्वी है। वह इस साल के नंबर 1 है और मुझे पता था कि फाइनल बेहद कठिन होगा। उनके पास सब कुछ है, और मेरे लिए यह जीत बहुत महत्वपूर्ण है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल के करियर का यह 87वां खिताब है। पिछले साल फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के बाद से उनका यह पहला खिताब है। एटीपी 500 टूर्नामेंट खिताब जीतने के बाद नडाल एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 12 या उससे ज्यादा बार एक ही टूर्नामेंट को जीता है। उन्होंने 12 बार रोलां गैरें खिताब भी अपने नाम किया है। नडाल का बार्सिलोना ओपन के सेमीफाइनल और फाइनल में अब 24-1 का रिकॉर्ड हो गया है। वह अब तक केवल एक ही बार 2019 में डोमिनीक थिएम से हारे हैं।

सोशल मीडिया के चार दिवसीय बहिष्कार में इंग्लैंड फुटबॉल एकजुट

लंदन : खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार आनलाइन अभद्र व्यवहार के विरोध में इंग्लैंड की फुटबॉल लीग सोशल मीडिया के चार दिवसीय बहिष्कार के लिए एकजुट हैं। फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम का बहिष्कार अगले शुक्रवार को शुरू होगा और सोमवार तक जारी रहेगा। इस दौरान पुरुष और महिला पेशेवर मुकाबलों का एक पूरा दौर खेला जाएगा। सोशल मीडिया के बहिष्कार में फुटबॉल एसोसिएशन (एफए), प्रीमियर लीग, इंग्लिश फुटबॉल लीग, महिला सुपर लीग, महिला चैंपियनशिप के अलावा खिलाड़ी, मैनेजर और रैफरियों की इकाइयां तथा भेदभाव रोधी समूह किक इट आउट शामिल है। संयुक्त बयान के अनुसार, ''यह बहिष्कार दर्शाता है कि इंग्लैंड फुटबॉल एकजुट होकर जोर दे रहा है कि सोशल मीडिया कंपनियों को आनलाइन नफरत को खत्म करने के लिए अधिक प्रयास करने चाहिए। भेदभाव के खिलाफ लोगों को शिक्षित करना भी महत्वपूर्ण है।

तीरंदाजी युगल दीपिका और अतनु को स्वर्ण, विश्व में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ग्वाटेमाला सिटी।

भारतीय तीरंदाजी की सितारा जोड़ी दीपिका कुमारी और उनके पति अतनु दास ने दो व्यक्तिगत स्वर्ण जीते जिससे भारत ने विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के पहले चरण में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका ने अपने कैरियर में विश्व कप में तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण जीता। वहीं दास ने विश्व कप में पहला स्वर्ण अपने नाम करते हुए पुरूषों के रिकर्व व्यक्तिगत फाइनल में बाजी मारी। दोनों ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई भी कर लिया। पिछले साल जून में दीपिका से विवाह करने वाले दास ने कहा- हम साथ में यात्रा करते हैं, अभ्यास करते हैं, प्रतियोगिता करते हैं और जीतते हैं। उसे पता है कि मुझे क्या पसंद है और मुझे पता है कि उसे क्या पसंद है। भारत के रिकर्व तीरंदाजों का यह विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जिन्होंने दो व्यक्तिगत और एक टीम स्वर्ण जीता। रिकर्व पुरूष वर्गमें भी भारत का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 2009 में जयंत तालुकदार ने क्रोएशिया में स्वर्ण जीता था। भारत के लिए दीपिका, अंकिता भकत और कोमलिका बारी ने टीम वर्ग में स्वर्ण जीतकर शुरूआत की। तीनों ने शूट आफ में मैक्सिको को 5-4 से हराया। इससे पहले भकत और दास ने अमेरिका को 6-2 से हराकर कांस्य जीता था। आखिर में दीपिका और दास ने व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीता। दीपिका ने अमेरिका की आठवीं वरीयता प्राप्त मैकेंजी ब्राउन को 6-5 से मात दी। सेमीफाइनल में उसने अलेजांद्रा वालेंशिया को 7-3 से हराया था। दीपिका के कैरियर का यह तीसरा स्वर्ण था जिसने साल्टलेक सिटी में 2018 में पहली बार पीला तमगा जीता था। जीत के बाद उसने कहा- दिल की धड़कनों पर काबू पाना काफी कठिन था। उससे मैं नर्वस हो रही थी। जीतकर आत्मविश्वास बढ़ा है। दास ने स्पेन के डेनियल कास्त्रो को 6-4 से हराया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंताल्या में 2016 में था जब वह चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कहा- अद्भुत लग रहा है । यह सपना सच होने जैसा है। मैंने इतने साल जो मेहनत की है, वह रंग लाई।

संक्षिप्त समाचार

एनआईसी क्लासिक शतरंज - भारत के 15 वर्षीय प्रग्गानंधा नें कार्याकिन को दी मात

चेन्नई (निकलेश जैन) भारत के 15 वर्षीय प्रग्गानंधा नें पिछले दिनो पोल्गर शतरंज का खिताब जीतकर मेल्टवाटर शतरंज टूर के एनआईसी क्लासिक शतरंज के लिए अपनी जगह तय की थी जहां दुनिया के बड़े दिग्गजों की बीच उन्हे पहली बार खेलने का मिला । टूर्नामेंट के पहले ही दिन उन्होने सभी को प्रभावित करते हुए खेले गए 5 मैच मे दो जीत एक हार और दो ड्रॉ से 3 अंक जुटाकर बेहद शानदार खेल दिखाया दिन की शुरुआत उन्होने पोलैंड के जान डुड़ा को हराकर की उसके बाद इंग्लैंड के जोन्स गाविन और अजरबैजान के ममेद्यारोव से ड्रॉ खेला , अमेरिका के वेसली सो से उन्हे एकमात्र हार का सामना करना पड़ा , हालांकि दिन की सबसे शानदार जीत मिली उन्हे विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रहे रूस के सेरगी कार्याकिन के खिलाफ , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए क्वीन्स गेंबिट ओपेनिंग मे प्रग्गानंधा नें 53 चालों मे अपने खेल जीवन की सबसे बड़ी जीत हासिल की । भारतीय ओलंपियाड टीम के कप्तान विदित गुजराती नें पहले दिन एक जीत और चार ड्रॉ से 3 अंक बनाए । पहले दिन के खेल के बाद अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव 4 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे फीडे के अलीरेजा फिरौजा और विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन 3.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे , भारत के विदित और प्रग्गानंधा 3 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रहे है ।

कोविड-19 के कारण एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन खतरे में

नई दिल्ली। कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तीन मई तक लगे लॉकडाउन के कारण अगले महीने होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन खतरे में पड़ गया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन 21 मई से यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होना है, लेकिन लेकिन बढ़ते मामलों के साथ इसके आयोजन को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, एलीट पुरुषों और महिलाओं का मुक्केबाजी टूर्नामेंट 21 मई से शुरू होने वाला है। लेकिन मौजूदा स्थिति इतनी डरावनी है कि इसमें भाग लेने वाले देश नई दिल्ली की यात्रा नहीं करना चाहेंगे, जो भारत में कोरोनावायरस के हॉटस्पॉट में से एक है। महामारी के कारण इस प्रतियोगिता 2020 में स्थगित कर दी गई थी। एआईबीए ने मार्च में घोषणा की थी कि भारत 21 से 31 मई तक इस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें 30 से अधिक देशों के भाग लेने की उम्मीद है।

कप्तान रानी समेत भारतीय महिला हॉकी टीम की छह सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव

नयी दिल्ली,

कप्तान रानी रामपाल सहित भारतीय महिला हॉकी टीम की सात खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के दो सदस्यों को बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में शुरू होने वाले अभ्यास शिविर से पहले कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया। साई ने सोमवार को खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों के कोविड-19 पॉजिटिव होने की जानकारी देते हुए बताया कि सभी को पृथकवास में निगरानी में रखा गया है। साई के मुताबिक, '' ये खिलाड़ी और सहयोगी सदस्य अपने गृह नगर से साई के बेंगलुरु परिसर में आये थे और प्रोटोकॉल के मुताबिक पृथकवास समय पूरा करने के बाद 24 अप्रैल को सभी की कोरोना वायरस की जांच की गयी थी।'' विज्ञप्ति के मुताबिक, '' महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल के अलावा पॉजिटिव आने वाली खिलाड़ियों में सविता पूनिया, शर्मिला देवी, रजनी, नवजोत कौर, नवनीत कौर और सुशीला हैं। इसके अलावा, वीडियो विश्लेषक अमृतप्रकाश और वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी कोरोना वायरस से संक्रमित मिले है।'' उन्होंने बताया, '' सभी खिलाड़ी और सहायक कर्मचारियों में इसके लक्षण नहीं दिख रहे है और उन्हें 'साई एनसीओई' में पृथकवास पर रखा गया है।'' भारतीय हॉकी टीम की कोर समूह 10 दिनों के विश्राम के बाद तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के तहत रविवार को बेंगलुरु में राष्ट्रीय शिविर में भाग लेने के लिए पहुंची थी। अभ्यास शुरू करने से पहले 25 सदस्यों का कोर समूह अनिवार्य पृथकवास पर था। टीम ने जनवरी में अर्जेंटीना का दौरा किया था। भारतीय टीम को

मेजबान देश की जूनियर टीम ने पहले दो मैचों में ड्रा पर रोक दिया। इसके बाद उसे अर्जेंटीना बी के खिलाफ दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। फिर दुनिया की नंबर दो सीनियर टीम के खिलाफ भी दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने इसके बाद फरवरी मार्च में जर्मनी का दौरा किया जहां उसे विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज टीम के खिलाफ चारों मैचों में शिकस्त मिली थी।

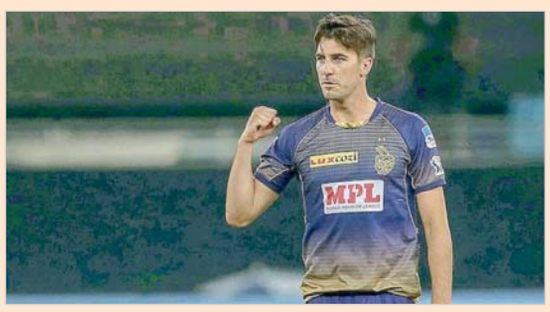

कमिंस ने दिखाई दरियादिली, ऑक्सीजन खरीदने के लिए पीएम केयर्स कंड में दिए 50,000 डॉलर

नई दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा है कि भारत में ऑक्सीजन खरीदने और इसे अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए वह पीएम केयर्स फंड में 50 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 37 लाख रुपये) की सहायता राशि दे रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब मीडिया में ऐसी खबरें चल रही हैं कि कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डर के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन को छोड़ना चाह रहे हैं। इन्हें डर है कि भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के बाद वे अपने देश में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। कमिंस ने हालांकि, ट्विटर पर पोस्ट किए एक बयान में कहा कि उन्हें बताया गया है कि भारत सरकार का यह विचार है कि आईपीएल खेल रहा है, जबकि लॉकडाउन में आबादी को कुछ घंटों का ही आनंद मिल पाता है। कमिंस ने अपने बयान में कहा, भारत एक ऐसा देश है जहां पिछले कुछ सालों से मुझे बहुत प्यार मिला है और यहां के लोग भी बहुत प्यारे और सपोर्टिंग हैं। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ समय से इस देश में कोरोना वायरस की वजह से काफी दिक्कते पैदा हो गई हैं, जिसमें पूरे देश में अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी कमी का होना शामिल है। उन्होंने आगे कहा, एक खिलाड़ी होने के नाते, मैं पीएम केयर्स फंड में 50 हजार यूएस डॉलर(लगभग 37 लाख रुपये) सहायता राशि के रूप में देना चाहता हूं और मैं अपने साथी खिलाड़ियों से भी गुजारिश करता हूं कि वे भी मदद के लिए आगे आएं।

मैनचेस्टर सिटी ने लगातार चौथी बार जीता काराबाओ कप

लंदन। एमेरिक लापोर्ते के 82वें मिनट में किए गए मैच जिताउ गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने रविवार को यहां टॉटेनहम हॉटस्पर को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार काराबाओ कप का खिताब जीत लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार रात खेले गए इस फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का अधिकतर समय तक दबदबा रहा, जिनसे 13 शॉट टारगेट पर लगाए। फाइनल मुकाबले को करीब 8000 फैंस ने देख रहे थे और इनमें से 2000 मैनचेस्टर से थे। मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन दूसरे हाफ में सिटी ने गोल करते हुए अपना खाता खोल लिया। मैनचेस्टर सिटी के लिए लापोर्ते ने 82वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। सिटी ने इस गोल को अंत तक कायम रखते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

मीराबाई चानू की नजरें ओलंपिक पर, कहा- चीन का वर्चस्व खत्म करना चाहती हूं

नई दिल्ली।

भारत की चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू की नजरें तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर टिकी हैं और वह इस खेल में चीन के दबदबे को खत्म करना चाहती हैं। विश्व रिकॉर्ड धारक भारोत्तोलक ने कहा, ''मैं ओलंपिक में रजत पदक नहीं जीतना चाहती, मैं स्वर्ण पदक चाहती हूं। मीराबाई पारंपरिक रूप से भारोत्तोलन में दबदबा बनाने वाले चीन से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और तोक्यो खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहती हैं। ओलंपिक से उत्तर कोरिया के हटने के बाद 49 किग्रा वर्ग में मीराबाई और चीन की भारोत्तोलक के बीच सीधा मुकाबले होने की उम्मीद है। मीराबाई ने कहा कि मुझे चीन की भारोत्तोलकों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वे सोचती हैं कि कोई भी उनसे अधिक वजन नहीं उठा सकता लेकिन मैं इस धारणा को तोड़ना चाहती हूं। मैं उन्हें टक्कर दे सकती हूं। तोक्यो खेलों की क्वालीफाइंग रैंकिंग में अभी चीन की दो भारोत्तोलक मीराबाई से आगे हैं लेकिन नियमों के अनुसार इनमें से सिर्फ एक ओलंपिक में हिस्सा ले सकती है। मीराबाई का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है जबकि होउ झीहुई ने मौजूदा एशियाई चैंपियनशिप में स्नैच में विश्व रिकॉर्ड सहित कुल 213 किग्रा (96 किग्रा+117 किग्रा) वजन उठाया। सोलह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रही 2017 की विश्व चैंपियन मीराबाई ने एशियाई चैंपयनशिप में स्नैच में 86 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में विश्व रिकॉर्ड 119 किग्रा सहित कुल 205 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने खुलासा किया कि 2019 किग्रा में क्लीन एवं जर्क में 118 किग्रा के उठाने के प्रयास में अच्छी शुरुआत के बाद उन्हें विश्व रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद थी लेकिन वह इस वजन को अपने सिर से ऊपर उठाने में नाकाम रही। चीन की जियांग हुइहुआ ने बाद में इतना ही वजन उठाकर उस समय विश्व रिकॉर्ड बनाया था। मीराबाई ने कहा कि मैं बेहद खुश थी। मैंने पिछली विश्व चैंपियनशिप में ही फैसला किया था कि अगर हम 118-119 किग्रा उठाने में सफल रहे तो यह विश्व रिकॉर्ड होगा। मैंने क्लीन में 118 किग्रा वजन उठाकर अच्छी शुरुआत की लेकिन जर्क में विफल रही। इसलिए मेरा आत्मविश्वास बढ़ा कि मैं उनसे ज्यादा वजन उठा सकती हूं। हम इस पर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''स्नैच में कंधे की चोट के कारण कभी कभी मैं थोड़ा असहज महसूस करती हूं। मेरा आत्मविश्वास थोड़ा कम था लेकिन क्लीन एवं जर्क में मैं चुनौती के लिए तैयार थी।'' क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा वजन उठाकर मीराबाई ने स्वर्ण पदक जीता लेकिन स्नैच में 85 किग्रा वजन उठाने में वह दो बार नाकाम रहीं।

अर्जेंटीना में मिली सफलता से हॉकी टीम को नया नजरिया दिया : प्रसाद

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद का मानना है कि हाल के यूरोप और अर्जेंटीना दौरों ने टीम को आगामी ओलंपिक की तैयारियों के लिये एक नया नजरिया दिया है। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को दोनों मैचों में हराया और साथ ही उसने अर्जेंटीना के खिलाफ अभ्यास मैच भी जीते। इससे पहले, भारत ने जर्मनी के खिलाफ 6-1 और 1-1 और इसके बाद ब्रिटेन के खिलाफ 1-1 और 3-2 से मुकाबले जीते थे। प्रसाद ने कहा, विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ इन दौरों ने हमें ओलंपिक खेलों की हमारी तैयारियों के लिए एक नया नजरिया दिया है। इन दौरों पर टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के तौर पर हमारे प्रदर्शन के डाटा के आधार पर हमें मुख्य कोच ग्राहम रीड ने काम करने और सुधार करने के लिए कुछ विशेष काम दिए हैं। मुझे लगता है कि हम ओलंपिक से पहले सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वे प्रतिस्पर्धी मैचों में नहीं खेले हों लेकिन पूरे वर्ष ट्रेनिंग के दौरान टीम का अनुशासन और प्रतिबद्धता ने हाल के सफल दौरों में अंतर कर दिया है। विवेक ने आगे कहा, पिछले साल हमने फिटनेस पर ध्यान लगाए रखा। मिडफील्ड और फारवर्ड के बीच अच्छा तालमेल बनाने पर ध्यान दिया। इसके अलावा अंतिम क्वार्टर में लय तेज रखने पर काम किया। इन चीजों ने हमारे प्रदर्शन में सुधार करने में मदद की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेहा कक्कड़

की शादी को 6 महीने पूरे, सिंगर ने

रोहनप्रीत सिंह

को बताया बेस्ट हस्बैंड

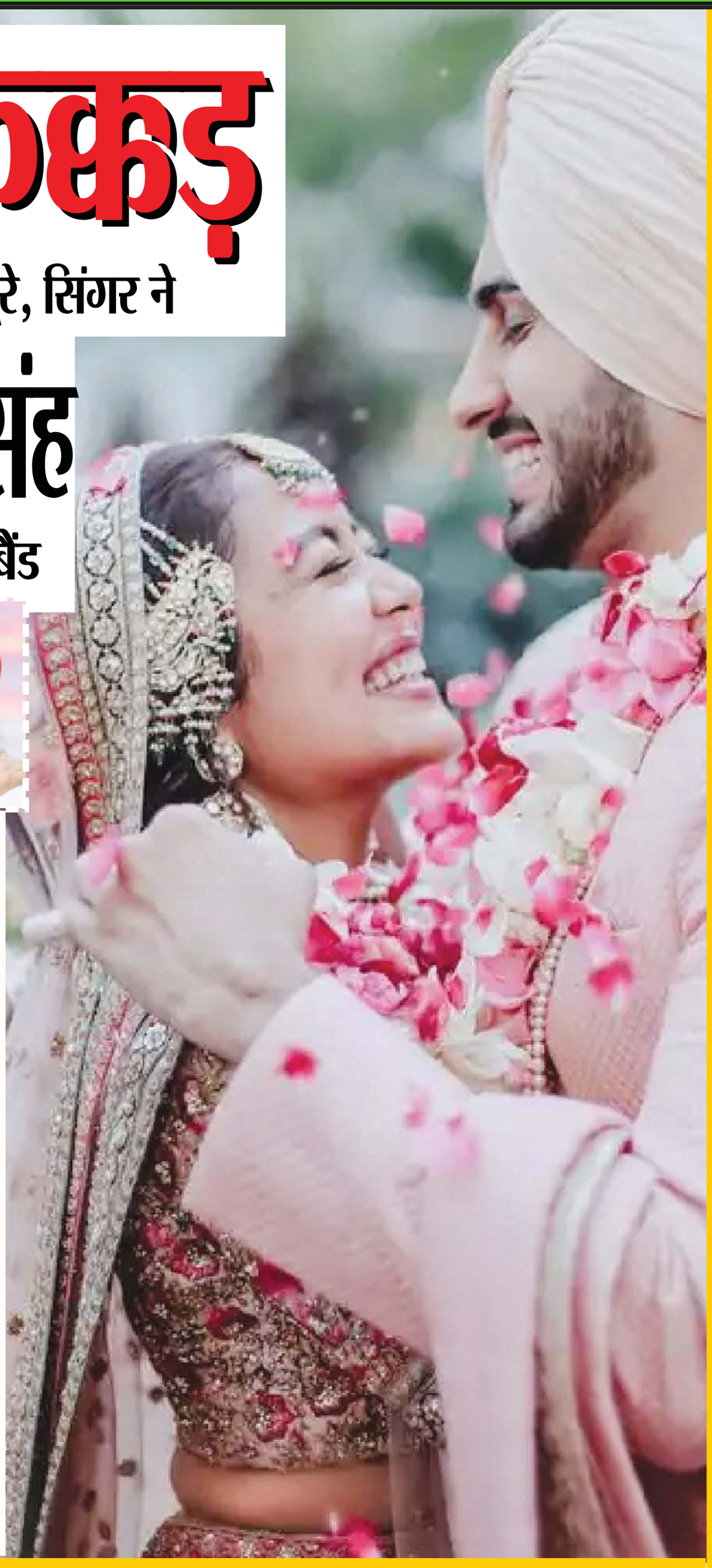

बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ (Neha kakkar) के लिए आज का दिन बेहद खास है. सिंगर ने शादी के प्यार भरे 6 महीने पूरे कर लिए हैं. शादी के बाद से ही नेहा लगातार अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में रही हैं. नेहा ने हमेशा की तरह आज भी अपने हस्बैंड रोहनप्रीत सिंह (Rohanpreet Singh) के साथ प्यारी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं.

नेहा कक्कड़ ने अपनी शादी के 6 महीने पूरे होने की खुशी में रोहनप्रीत सिंह के साथ तस्वीरें शेयर की हैं. तस्वीरों में नेहा, रोहनप्रीत सिंह के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं.शेयर की गई फोटोज में नेहा कक्कड़ ने ब्लैक कलर की ड्रेस के साथ एक ब्लू कलर का कैप कैरी किया हुआ है, जबकि रोहनप्रीत ब्लैक प्रिंटेड हुडी के साथ ब्लैक कलर की कैप लगाए नजर आ रहे हैं.

नेहा ने अपनी इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन लिखा है- 'हर दिन वो मेरा दिल जीतता है. वो मुझे पहले से भी ज्यादा प्यार करने लगा है. नेहा ने आगे लिखा 'वह रोज कहते हैं कि मैं जितना प्यार करती हूं,

उससे ज्यादा वे मुझे करते हैं, लेकिन मैं कहती हूं कि मैं उससे थोड़ा ज्यादा प्यार करती हूं.इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने आगे लिखा कि 'रोहनप्रीत आप वाकई सबसे अच्छे पति हैं!! मैं सच में भाग्यशाली हूं!! हैप्पी 6 मंथ माय लाइफ!!!' इस पर रोहन ने रिप्लाई दिया- 'आई लव यू माय वाइफी'. इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने आगे लिखा कि 'रोहनप्रीत आप वाकई सबसे अच्छे पति हैं!! मैं सच में भाग्यशाली हूं!! हैप्पी 6 मंथ माय लाइफ!!!' इस पर रोहन ने रिप्लाई दिया- 'आई लव यू माय वाइफी'.

नेहा की इन फोटोज पर फैंस के साथ साथ सेलेब्स भी विश कर रहे हैं. शादी के 6 महीने पूरे होने पर बॉलीवुड की लीजेंड एक्ट्रेस नीतू सिंह ने भी हार्ट की इमोजी लगाकर इस जोड़ी पर प्यार जताया है.बता दें कि, बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने पिछले साल 24 अक्टूबर को शादी की थी.

नेहा अक्सर सोशल मीडिया पर अपने हस्बैंड रोहनप्रीत संग अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं. नेहा इन दिनो सिंगगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' में जज की भूमिका निभा रही हैं.

हाल ही में अपने प्यारे से घर की फोटो शेयर की थी. जिसमें नेहा और रोहनप्रीत दोनों संगीत में डूबे हुए थे.

जब सैफ अली खान ने बेटी सारा अली खान का उड़ाया था मजाक, वायरल हुआ पुराना VIDEO

करण जौहर के लोकप्रिय चैट शो, कॉफी विद करण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वीडियो में सैफ अली खान (Saif Ali Khan) अपनी बेटी सारा अली खान (Sara Ali Khan) का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं. दरअसल, सारा अली खान की डेब्यू फिल्म केदारनाथ रिलीज होने से पहले ये दोनों कोफी विद करण के छठे सीजन के एक एपिसोड में साथ में आए थे. इस एपिसोड का नाम अनसीन कोफी कन्फेशन था.

शो के होस्ट करण जौहर (Karan Johar) ने सैफ अली खान और सारा अली खान से करियर आने वाले प्रेशर बारे में पूछा. सारा ने कहा, एक लाइन के नीचे, आपको प्रेशर के सामने खड़े रहने के लिए अपनी आंतरिक ताकत को मजबूत करना और अपने आप को सहज दिखाना होगा. अगर आप सहज और विश्वास से भरे नहीं हैं, तो वहां 500 लोग हैं, जो आपको खींचकर नीचे कर देंगे.उन्होंने आगे कहा कि हर कोई किसी ना किसी वजह से ट्रोल होता है और ये सच में बिल्कुल भी मायने नहीं रखता है.

सैफ अली खान (Saif Ali Khan) अभी तक चुप बैठे थे. तभी अचानक से ब्रिगिट बार्डोट(एक्ट्रेस और एक्टिविस्ट) बोले, एक्ट्रेस को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपनी उम्र से ज्यादा बोल रही है. सारा ने उन्हें इस बातचीत के बीच में एक्ट्रेस का नाम लेने पर कहा कि वह(सैफ) जोन से बाहर होकर किस बारे में बोल रहे हैं.

अपनी बेटी को ट्रोल करते हुए सैफ ने कहा, तुम तीन मिटने रहने के बाद ये कह रही हो कि इस इंडस्ट्री में लोग आपको नीचे खींच रहे हैं. इसके बाद सैफ दोबार हंसे और मजाक उड़ाते हुए बोले,ट्रायल्स और ट्रिब्यूनल्स.

जब पैपराजी 'छोटू पांडे' को गोद में उठाकर भागने लगे वरुण धवन, ये है एक्टर का Cutest Video

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन (Varun Dhawan) आज 34 साल के हो गए हैं. वरुण आज अपना बर्थडे सेलिबेट (Happy Birthday Varun Dhawan) कर रहे हैं. कोरोना वायरस के चलते सभी की तरह वरुण धवन ने भी बेहद सादगी से अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया. इस मौके पर उनके तमाम फैंस उन्हें बधाइयां दे रहे हैं. यही नहीं कई बॉलीवुड सितारों ने भी वरुण धवन पर प्यार लुटाया है. जिनमें माधुरी दीक्षित (Madhuri Di&it) से लेकर अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor) तक का नाम शामिल है. इस बीच वरुण धवन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

इस वीडियो में वरुण धवन अपनी कुछ फीमेल फैंस के साथ फोटो क्लिक कराते नजर आ रहे हैं. इसके बाद वरुण धवन जाने लगते हैं, लेकिन एक फोटोग्राफर मोबाइल के जरिए लगातार उनका वीडियो बनाने में व्यस्त था. तभी वरुण धवने ने अचानक फोटोग्राफर को गोद में उठा लिया और उसे लेकर भागने लगे. यह देखते ही सभी हंसने लगे. वरुण धवन का यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है.

वरुण धवन का यह वीडियो पुराना है, लेकिन कई यूजर्स ने इस वीडियो को नया समझकर एक्टर को ट्रोल करना शुरू कर दिया. कई लोग वरुण धवन से सवाल कर रहे हैं कि आखिर कोरोना के इस संकट भरे समय में भी उन्होंने मास्क क्यों नहीं पहना. वरुण ने ही क्या, उनके साथ और आस-पास मौजूद किसी शख्स ने मास्क नहीं पहन रखा है.

जिसके बाद कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए यह बताया कि ये एक्टर का पुराना वीडियो है. वहीं कुछ लोग इस वीडियो पर कमेंट करते हुए वरुण धवन को बर्थडे विश कर रहे हैं और उन पर खूब प्यार भी लुटा रहे हैं. फोटोग्राफर के साथ वरुण धवन के ये मस्ती का पल सभी को खूब पसंद आ रहा है.

शहनाज गिल

ने अंग्रेजी बीट पर जमकर मटकाई कमरिया, फैंस बोले- 'नई सेलेना गोमेज'

बिग बॉस 13 (Bigg Boss 13) में अपने जलवे बिखेरने के बाद शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) अब सोशल मीडिया (Social Media) पर कहर बरपाती नजर आ रही हैं. पंजाब की कैटरीना कैफ यानी शहनाज गिल इन दिनों सेलेना गोमेज को कड़ी टक्कर दे रही हैं. लॉकडाउन के बाद अचानक ही एक्ट्रेस ने अपने स्लिम लुक से लोगों को हैरान किया. उन्होंने इस बीत एक-दो नहीं बल्कि पूरे 12 किलो वजन घटाया.

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. कुछ समय पहले ही शहनाज गिल ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में शहनाज गिल बॉस बेबी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं. शहनाज गिल के इस अंदाज को देखकर फैंस उनकी तुलना हॉलीवुड स्टार सेलेना गोम्स से कर रहे हैं. शहनाज गिल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है.

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) का ये डांस वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को पसंद आ रहा है. उनक पतली कमरिया से लोग अपना ध्यान हटा नहीं पा रहे हैं. फैंस आग और दिल वाली इमोजी शेयर कर अपना प्यार जता रहे हैं. वहीं कुछ फैंस ऐसे भी है, जो पूछ रहे हैं कि आखिर उन्होंने इतनी जल्दी वजन कम कैसे कर लिया.

आपको बता दें कि शहनाज गिल कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं जिसमें भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पायजामा, वादा हैशोना शोना और फ्लाई जैसे कई म्यूजिक वीडियो शामिल हैं. जल्द शहनाज एक बार फिर से सिद्धार्थ शुक्ला म्यूजिक वीडियो हैबिट में नजर आने वाली हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्त्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं। पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित - इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी - कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड - झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति - रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी से पाकिस्तान की बढ़ेगी चिंता!

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू होने के बीच अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने आगाह किया है इस्लामिक स्टेट और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों का फिर से मजबूत होना पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। अफगानिस्तान में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रमुख जनरल ऑस्टिन एस मिलर ने रविवार को काबुल में कहा कि अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू हो चुकी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा अफगानिस्तान से 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों की वापसी की घोषणा के करीब दो हफ्ते बाद मिलर का यह बयान आया है। वाशिंगटन में संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी मध्य कमान के कमांडर जनरल केनेथ एफ मेककेंजी जूनियर ने आगाह किया कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अलकायदा और आईएस आतंकियों का फिर से मजबूत होना सबसे चिंताजनक मुद्दा होगा। उन्होंने कहा, ''यह सभी पड़ोसी देशों, और सबसे ज्यादा पाकिस्तान के लिए चिंताजनक स्थिति होगी।'' उन्होंने कहा कि आतंकियों का मजबूत होना केवल अमेरिका या पाकिस्तान के लिए ही खतरा नहीं होगा बल्कि मध्य एशियाई देशों से लेकर उत्तर तक के देशों को इससे खतरा होगा।

इस देश में अब 44 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को लगेगा कोविड रोधी टीका

लंदन। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने कोविड रोधी टीकाकरण को विस्तारित करते हुए कहा है कि देश में अब 44 साल और इससे अधिक आयु के हर व्यक्ति को टीका लगाया जाएगा। देश के डॉक्टरों ने लोगों से आग्रह किया है कि वे टीका लगवाने के लिए आगे आएं। एनएचएस के आंकड़ों के अनुसार 45 से 49साल उम्र की दो तिहाई आबादी का अब तक कोविड रोधी टीकाकरण हो चुका है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक ने कहा, ''50 साल से अधिक उम्र के 95 प्रतिशत लोग टीके की पहली खुराक ले चुके हैं और 45 से 49 साल तक की उम्र के दो तिहाई लोगों का टीकाकरण हो चुका है। अब हम 44 साल और इससे अधिक आयु के लोगों के लिए टीकाकरण की शुरुआत कर रहे हैं।'' एनएचएस ने कहा कि40 से 43 साल तक की उम्र के लोगों का टीकाकरण करने के बारे में आगामी दिनों में निर्णय किया जाएगा।

बढ़ते कोरोना मामलों के बीच पाकिस्तान को मिली चीनी वैक्सीन की 10 लाख खुराकें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को चीन से कोविड-19 टीके की और 10 लाख खुराक मिली है जिससे उम्मीद की जा रही है कि देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान में अबतक करीब आठ लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं जिनमें से 17,100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के तीन विमान चीनी कंपनी द्वारा विकसित टीके साइनोफार्म की 10 लाख खुराकें लेकर रविवार को पाकिस्तान पहुंचे। ये विमान शनिवार को चीन रवाना हुए थे। चीन के लिए पीएआई के देश प्रबंधक कादिर बख्श सांगी ने बताया कि इसके अलावा टीके की 20 लाख अतिरिक्त खुराकें भी राष्ट्रीय विमानन कंपनी के विमान से 29 अप्रैल को चीन से पाकिस्तान लाई जाएंगी। टीके की नयी खेप ऐसे समय पहुंची है जब पाकिस्तान संक्रमण की तीसरी लहर का सामना कर रहा है और इससे पूर्व की दो लहरों को नियंत्रित करने में मिली कामयाबी के धराशायी होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। पिछले महीने पाकिस्तान को चीन से कोविड-19 टीके की पांच लाख खुराकें मिली थी। इससे पहले एक फरवरी को चीन ने साइनोफार्म टीके की पांच लाख खुराकें दान दी थी जिससे पाकिस्तान में टीकाकरण अभियान शुरू हो सका था।

भारत में कोविड संकट के बीच सेवा इंटरनेशनल 400 ऑक्सीजन सिलेंडर भेजेगा

ह्यूस्टन (अमेरिका)। कोविड-19 की हालिया लहर के कारण चिकित्सीय ऑक्सीजन और अन्य आवश्यक आपूर्तियों की कमी से जूझ रहे भारत की मदद के लिए भारतीय-अमेरिकी भरसक प्रयास करने में जुटे हैं। भारतीय-अमेरिकी गैर लाभकारी संगठन 'सेवा इंटरनेशनल यूएसए' ने 50 लाख डॉलर चंदा जुटाने का लक्ष्य रखा है जिसमें से दो दिन के भीतर 15 लाख डॉलर पहले ही एकत्र कर लिए गए हैं। यह राशि भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर की प्रतिक्रिया स्वरूप जुटाई जा रही है। संगठन ने कहा कि वह भारत को तत्काल 400 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ ही अन्य आपातकालीन चिकित्सा उपकरण एवं आपूर्तियों की शुरुआती खेप भेज रहा है। सेवा इंटरनेशनल, भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण उपजे ऑक्सीजन के संकट को कम करने के लिए दुनिया भर के कई आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर काम कर रहा है। संगठन ने कहा कि उसने भारतीय अस्पतालों में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए 'हेल्प इंडिया डिफीट कोविड-19' अभियान की शुरुआत की है। इसने बताया कि सेवा देश के करीब 10,000 परिवारों को तथा 1,000 अनाथों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भोजन एवं दवाएं मुहैया करा रहा है। ह्यूस्टन में सेवा के प्रवक्ता गीतेश देसाई ने पीटीआई-से कहा, फ्रसेवा इंटरनेशनल अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों द्वारा दिए जा रहे समर्थन एवं चंदे को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता है। सेवा ने 15 लाख डॉलर से अधिक चंदा जुटा लिया है जो दिखाता है कि भारतीय-अमेरिकी भारत में अपने भाइयों-बहनों के दर्द को महसूस कर रहे हैं और वे कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न इस आपदा के दौरान उनकी कुशलता के लिए चिंतित हैं।

तहरीक-ए-लब्बैक से क्यों होने लगी इमरान खान की नजदीकी, आखिर क्या है सियासी मजबूरी?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान को लेकर भारत में एक कहावत खूब प्रचलित है कि वह का नेता कहता कुछ और है और करता कुछ और है। पाकिस्तान के हुक्मरानों की बोली और नियत दोनों कब बदल जाएं इसका पता नहीं। लेकिन आज हम ऐसा क्यों कह रहे हैं, इसको लेकर आप सोच रहे होंगे। तो आपको बता दें कि पिछले हफ्ते राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने जब तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के लिए यह कहा कि वह उसके दर्द और तकलीफ को अच्छे से समझते हैं। उनका मकसद भी वही है जो तहरीक-ए-लब्बैक का है, बस तरीका अलग-अलग है। अपने इस कथन के साथ ही इमरान खान ने खुद को उस कतार में खड़ा कर लिया जहां पहले से ही पाकिस्तान की तमाम लीडरशिप लगी हुई है। यह शायद पाकिस्तान के उन लोगों के लिए झटका है जिन्होंने एक बदलाव के लिए इमरान खान के हक में वोट किया था। उन्हें यह लग रहा था कि इमरान खान अलग सोच वाले नेता है। इमरान खान उस कट्टरवादी सोच के नुमाइंदगी नहीं करेंगे जो पाकिस्तान की तमाम लीडरशिप अब तक करती आई है। लेकिन इमरान खान के इस कथन के साथ ही यह तो तय हो गया कि अब इमरान खान भी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से सद्भावना रखते हैं।

जाहिर सी बात है कि इस कथन के बाद से देश इमरान खान से यह तो जवाब जरूर मांगेगा कि आखिर वह क्या मजबूरी है जिसके वजह से इमरान खान को उस संगठन की हिमायत में खुल कर बोलना पड़ा जिस पर उनकी सरकार ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। यह भी सवाल उठ रहे है कि क्या इमरान खान की सरकार ने आतंकी संगठन के सामने घुटने टेक दिए है? पाकिस्तान के साथ-साथ यह पूरी दुनिया में अब चर्चा का विषय बन गया है। इमरान खान के इस बयान के बाद से ही लगातार संगठन के जरिए हुई हिंसा में जिन्हें शामिल मानकर गिरफ्तार किया गया था उन सब की रिहाई शुरू हो गई है। संगठन के तमाम मांगों को लेकर भी सरकार विचार करने की स्थिति में है। ऐसे में इमरान खान के लिए एक ऐसा सवाल उठ रहा है जिसका जवाब उन्हें अभी नहीं तो आने वाले वक्त में देना ही पड़ेगा।

इमरान खान ने आतंकी संगठन के सामने घुटने टेक दिए। पाकिस्तान की सियासत पर करीबी नजर रखने वाले लोग यह मानते है कि इमरान खान को पता है कि अगर उन्हें सत्ता में कामयाबी की चासनी को बरकरार रखना है तो धर्म उसका सबसे बड़ा जरिया है। इमरान खुद को इस्लाम के लिए संघर्ष करने वाले शख्स के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। वह अपनी छवि को धार्मिक नेता के तौर पर उभारना चाहते है। यही कारण है कि इमरान खान अपने सरकार को लेकर कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उनकी प्रेरणा रियासत-ए- मदीना है। पाकिस्तान में तहरीक-ए-लब्बैक हजरत मोहम्मद के अपमान के खिलाफ आक्रमक तेवर अपनाकर एक अलग जगह बनाने में कामयाब रहा। वर्तमान परिस्थिति में इमरान खान इस संगठन से अलग जाकर अपना नुकसान देख रहे है। इमरान को यह लगता है कि अगर तहरीक-ए-लब्बैक से अलग होते है तो लोगों में यह संदेश जाएगा कि सरकार के भीतर हजरत मोहम्मद के लिए कुर्बानी का वह भाव नहीं है जो मुसलमान के लिए पहली शर्त होती है।

जैसे ही इमरान खान को यह लगा कि जिस छवि की ओर वह बढ़ रहे हैं, वह इस संगठन पर कार्रवाई से धूमिल हो सकती है तो उन्होंने इस से दूरी बनानी शुरू कर दी। आवाम को यह संदेश देने की कोशिश कर रहे है कि सरकार और उनमें हजरत मोहम्मद को लेकर तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से भावना कम नहीं है। वह यह भी कह रहे है कि फर्क इतना है कि हम सरकार में है। हमारे ऊपर जिम्मेदारियां है जबकि उनके ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं है। इमरान खान किसी भी सूरत में खुद को तहरीक-ए-लब्बैक के विरोध में खड़े होते दिखाई नहीं देना चाहते है। आपको बता दें कि पाकिस्तान की पांचवी बड़ी पार्टी है। तहरीक-ए-लब्बैक की स्थापना 2015 में खालिद हुसैन रिजवी ने की थी। मौलाना की मौत के बाद से उनके बेटे साद रिजवी के हाथ में इस पार्टी की कमान है।

मेडिकल सप्लाई में आई बड़ी बाधा, चीन ने भारत के लिए अपनी सभी मालवाहक उड़ानों पर लगाई रोक

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के सरकारी सिचुआन एयरलाइंस ने भारत के लिए अपनी सभी कार्गो (मालवाहक) उड़ानों को अगले 15 दिनों तक स्थगित कर दिया है जिससे निजी कारोबारियों द्वारा अतिआवश्यक ऑक्सीजन कांसंट्रेटर और अन्य चिकित्सा आपूर्ति चीन से करने में बड़ी बाधा उत्पन्न हो गई है। कंपनी ने यह कदम चीन की सरकार द्वारा कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर भारत को 'समर्थन एवं सहायता' की पेशकश करने के बावजूद उठाया है। सिचुआन एयरलाइंस का हिस्सा सिचुआन चुआनहांग लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन लिमिटेड के विपणन एजेंट द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि विमानन कंपनी शियान-दिल्ली सहित छह मार्गों पर अपनी कार्गो सेवा स्थगित कर रही है। यह फैसला सीमा के दोनों ओर के निजी कारोबारियों द्वारा चीन से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदने के गंभीर प्रयासों के बीच आया है।

इसके मुताबिक कंपनी ने कहा, ''महामारी की स्थिति (भारत) में अचानक हुए बदलाव की वजह से आयात की संख्या में कमी आई है। इसलिए अगले 15 दिनों के लिए उड़ानों को स्थगित करने का फैसला किया गया है।'' पत्र में कहा, ''भारतीय मार्ग हमेशा से ही सिचुआन एयरलाइंस का मुख्य रणनीतिक मार्ग रहा है। इस स्थगन से हमारी कंपनी को भारी नुकसान होगा। हम इस बिन बदली हुई परिस्थिति के लिए माफी मांगते हैं।'' पत्र के मुताबिक कंपनी अगले 15 दिनों में फैसले की समीक्षा करेगी। कार्गो उड़ानों के स्थगन से एजेंट और सामान भेजने वाले हतप्रभ है जो चीन से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदने का प्रयास कर रहे हैं। यह भी शिकायत आ रही है कि चीनी उत्पादकों ने ऑक्सीजन संबधी उपकरणों की कीमत में 35 से 40 प्रतिशत से वृद्धि कर दी है। माल ढुलाई के शुल्क में भी करीब 20 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है।

शंघाई में माल भेजने की कंपनी साइनो ग्लोबल लॉजिस्टिक के सिद्धार्थ सिन्हा ने बताया कि सिचुआन एयरलाइंस के फैसले से दोनों देशों के कारोबारियों द्वारा तेजी से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदने और भारत को भेजने में बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि अब इन उपकरणों को भेजना और चुनौतीपूर्ण होगा और उन्हें सिंगापुर और अन्य देशों के रास्ते विभिन्न विमानन कंपनियों द्वारा भेजना होगा जिससे अति आवश्यक इन उपकरणों की आपूर्ति में देरी होगी। सिन्हा ने कहा कि भारत में कोविड-19 की स्थिति का हवाला देकर उड़ानों का स्थगन आश्चर्यजनक है क्योंकि भारत जाने वाले चालक दल के किसी सदस्य को बदला नहीं जाता और चालक दल के सदस्य ही विमान को वापस लाते हैं।

मुश्किल की घड़ी में भारत के साथ दोस्ती निभाएगा ऑस्ट्रेलिया, भेजेगा ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और पीपीई किट

मेलबर्न। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया कोविड-19 के मामलों में ताजा उछाल से जूझ रहे भारत को तत्काल सहायता के रूप में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) भेजेगा। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने सोमवार को यह बात कही। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन समाचार चैनल ने हंट के हवाले से कहा कि संघीय सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि वह मदद के लिये क्या भेज सकती है। संघीय स्वास्थ्य मंत्री हंट ने कहा, भारत वास्तव में ऑक्सीजन की समस्या से जूझ रहा है। हम राष्ट्रीय चिकित्सा भंडार से मदद कर सकते हैं, लेकिन वे मुख्य रूप से ऑक्सीजन आपूर्ति के संबंध में सहायता मांग रहे हैं।

हम इस मामले मेंविशेष रूप से राज्यों के साथ बात कर रहे हैं। खबर के अनुसार संघीय सरकार ने तत्काल सहायता पैकेज के तहत भारत को ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण भेजने की भी पुष्टि की है, जिसकी घोषणा मंगलवार को की जानी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया टीके नहीं भेजेगा।

हंट ने कहा, हम उस मोर्चे पर मजबूत स्थिति में हैं क्योंकि फिलहाल हमें उनकी जरूरत नहीं है। फिर भी हम स्टॉक रखेंगे।

लेकिन अगर हो सकेगा तो सहायता के तौर पर (उन्हें दान किया जाएगा)। भारत को कोई सहायता देने और ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण फैलने के खतरे को कम करने के लिये अतिरिक्त कदम उठाए जाने के मामलों पर चर्चा के लिये मंगलवार को कैबिनेट की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक होगी।

बाइडन और हैरिस ने कोविड-19 के खिलाफ जंग में भारत को सहयोग का आश्वासन दिया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारत को घातक कोरोना वायरस संकट से निपटने में मदद देने के लिए आवश्यक चिकित्सकीय जीवनरक्षक आपूर्तियां और उपकरण समेत हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया है। बाइडन ने एक ट्वीट में कहा, ''जैसे भारत ने अमेरिका को मदद भेजी थी जब वैश्विक महामारी की शुरुआत में हमारे अस्पतालों पर दबाव बहुत बढ़ गया था वैसे ही हम जरूरत के इस वक्त में भारत की मदद के लिए दृढ़ हैं।÷ राष्ट्रपति सप्ताहांत डेलावेयर में अपने घर में बिता रहे हैं लेकिन समझा जाता है कि वह भारत में हो रहे घटनाक्रमों पर नजर बनाए हुए हैं।

हैरिस ने ट्वीट किया, ÷अमेरिका कोविड-19 के चिंताजनक प्रकोप के दौरान अतिरिक्त सहयोग एवं आपूर्तियां भेजने के लिए भारतीय सरकार के साथ करीब से काम कर रहा है। सहायता देने के साथ ही हम भारत के निडर स्वास्थ्यकर्मियों समेत उसके नागरिकों के लिए प्रार्थना भी कर रहे हैं।÷ बाइडन और हैरिस के ट्वीट भारत में कोविड-19 के हालिया घातक प्रकोप के बाद शीर्ष अमेरिकी नेतृत्व की ओर से दी गई पहली प्रतिक्रिया है। अमेरिका में भारत के मित्रों ने देश के सहयोगी की मदद में धीमी प्रतिक्रिया के लिए दोनों की आचोलना की थी। आलोचना करने वालों में उनकी अपनी ही पार्टी के नेता भी हैं। अमेरिका के शीर्ष सांसद संकट की इस घड़ी में भारत को स्वास्थ्य सहयोग एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए बाइडन प्रशासन से लगातार अपील कर रहे हैं। जब देश की संसद राजनीतिक विचारों को लेकर दो धुर विरोधी खेमों में बंटी हुई है, ऐसे में बेहद दुर्लभ कदम उठाते हुए, सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद मार्क वार्नर और विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी के जॉन कोर्निन ने संयुक्त रूप से व्हाइट हाउस का आह्वान कर भारत में उसकी मदद को बढ़ाने एवं गति देने को कहा है। वार्नर ने कहा, ÷सीनेट की भारत कॉकस के सह प्रमुखों के तौर पर हम कोविड-19 संकट के बीच भारत में हमारे मित्रों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास करने की अपील करते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भारत के स्वास्थ्य कर्मियों को सामग्री मुहैया कराकर मदद का निर्देश दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टीन लॉयड ने रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन को भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रहे स्वास्थ्यकर्मियों को हर संभव जरूरी मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया है। यह कदम राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के मद्देनजर उपजे अप्रत्याशित स्वास्थ्य संकट से निपटने में अमेरिकी संसाधनों के जरिये मदद का निर्देश देने के तुरंत बाद सामने आया है। ऑस्टीन ने रविवार को एक बयान में कहा, ''रक्षा विभाग का हर कर्मी चाहे महिला हो या पुरुष, वे जरूरत के इस समय में अपने भारतीय सहयोगियों के साथ हैं। इस लड़ाई में हम साथ हैं।'' ऑस्टीन बाइडन प्रशासन के पहले उच्च स्तरीय अधिकारी हैं जिन्होंने पिछले महीने भारत की यात्रा की थी› ऑस्टीन ने कहा कि उन्होंने रक्षा विभाग को भारत के अग्रिम मोर्चा के कर्मियों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उन्हें संसाधन से हर संभव मदद का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ''हमलोग वर्तमान में उन उपकरणों का आकलन कर रहे हैं जिन्हें हम खरीद सकते हैं या खुद इजाद कर सकते हैं तथा आने वाले दिनों में उससे उनकी मदद कर सकते हैं।

जर्मनी में जून तक जारी रह सकता है लॉकडाउन, कोरोना केसों की नहीं थम रही रफ्तार

बर्लिन। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार कम न होने के चलते जर्मनी जून तक लॉकडाउन जारी रह सकता है। वित्त मंत्री ओलाफ स्कॉल्ज ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि देश में मई के अंत तक प्रतिबंधों में कोई ढील दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हमें एक टाइमटेबल तैयार करने की जरूरत है कि कैसे जिंदगी नॉर्मल होगी। लेकिन ऐसे किसी प्लान पर अगले कुछ दिनों में ही अमल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट और साहसिक कदम उठाने होंगे। मई के अंत तक ही ऐसा फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के लिए हॉलिडे प्लान करने, रेस्तरां खोलने से लेकर अन्य तमाम छूट देने में अभी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आगे जो प्लान तय किया जाएगा, उसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि नागरिक कब कंसर्ट्स, थिएटर्स और सॉकर स्टेडियम्स में जा सकेंगे। जर्मन चांसलर अंगेला मर्केल ने शनिवार को नागरिकों से अपील की थी कि अभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना जारी रखें। अंगेला मर्केल का कहना है कि कोरोना की तीसरी लहर को तोड़ने के लिए पाबंदियों का फिलहाल बने रहना जरूरी है। भारत की तरह ही जर्मनी भी कोरोना के बढ़ते केसों से जूझ रहा है। फिलहाल जर्मनी में क्ा17 वैरिएंट के काफी मामले मिल रहे हैं, जो सबसे पहले ब्रिटेन में मिला था।

माना जा रहा है कि जर्मनी में वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी होने के चलते भी कोरोना संक्रमण के मामलों ने जोर पकड़ा है। जर्मनी में वीकेंड के दौरान प्रति एक लाख लोगों पर संक्रमितों का आंकड़ा 166 पहुंच गया। इस बीच जर्मनी की संसद से इंफेक्शन प्रोटेक्शन एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिससे महामारी के दौर में सरकार को और अधिक ताकत मिली है। देश के 16 प्रांतों की ओर से कड़े नियमों को लागू करने से इनकार के बाद यह संशोधन किया गया है। नए कानून के तहत सरकार के पास 10 बजे रात से सुबह 5 बजे तक लगातार तीन दिनों तक पाबंदियां लागू कर सकती है। ये पाबंदियां ऐसे इलाकों में लगाई जा सकती हैं, जहां आबादी 100 से 1 लाख के बीच हो।

पहले भारत को मदद का हाथ बढ़ाया और अब वार्ता को तैयार... पाकिस्तान की रणनीति में अचानक हुआ बदलाव

अंकारा। पुलवामा हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच औपचारिक वार्ताएं बंद हैं। भारत स्पष्ट कर चुका है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा उससे बातचीत संभव नहीं है। अभी तक पाकिस्तान भी वार्ता के खिलाफ ही बयान देता रहा है। लेकिन पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान ने अचानक अपनी रणनीति इस तरह बदली है कि हमेशा युद्ध की धमकी देने वाले देश ने अब भारत के साथ वार्ता की पैरवी करनी शुरू कर दी है। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा है कि उनका देश भारत से बातचीत के जरिए मतभेदों को दूर करने के लिए तैयार है। हालांकि, कुरैशी ने यह भी कहा कि अगर भारत 5 अगस्त 2019 के अपने फैसले पर फिर से विचार करे तो पाकिस्तान उसके संग वार्ता को तैयार है। बता दें कि इस दिन भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया था और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आशा है कि राजस्थान सरकार ऑक्सीजन टैंकरों को नहीं रोकेगी : दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि उसे आशा है कि राजस्थान सरकार कोविड-19 के मरीजों के लिए दूसरे राज्यों में चिकित्सकीय ऑक्सीजन ले जा रहे क्रायोजेनिक टैंकरों को नहीं रोकने के आदेश का सम्मान करेगी। अदालत ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से हजारों मानव जीवन खतरें में पड़ जायेंगे। न्यायमूर्ति विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने ऑक्सीजन संकट पर करीब साढ़े तीन घंटे चली सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसे व्यवधान पैदा करने से कोई उद्देश्य हासिल नहीं होगा। पीठ ने कहा, ''हमें आशा और उम्मीद है कि राजस्थान सरकार कोविड-19 के मरीजों के लिए दूसरे राज्यों में चिकित्सकीय ऑक्सीजन ले जा रहे टैंकरों को नहीं रोकने के केंद्र सरकार और अदालत के आदेश का सम्मान करेगी। संकट की इस घड़ी में ऑक्सीजन आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से हजारों मानव जीवन खतरें में पड़ जायेंगे और कोई उद्देश्य हासिल नहीं होगा। पीठ ने कहा कि ऑक्सीजन टैंकरों को रोकने से खतरनाक स्थिति पैदा होगी।

ममता ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया, केंद्रीय बलों को हटाने की मांग की

कोलाकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अगले चरण के मतदान में केंद्रीय बलों को हटाने की मांग की ताकि राज्य में कोविड-19 के प्रसार को रोका जा सके। इसके साथ ही उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय की उस टिप्पणी का स्वागत किया गया जिसमें कहा गया था कि संक्रमण के प्रसार के आरोप से निर्वाचन आयोग बच नहीं सकता। उत्तर कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों की बैठक में बनर्जी ने कहा, '' मैं मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करती हूं जिसमें साफ तौर पर कहा गया कि निर्वाचन आयोग अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और निर्वाचन आयोग दोनों ही इस स्थिति (राज्य में संक्रमण के प्रसार) के लिए जिम्मेदार हैं।'' इससे पहले सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने कोविड-19 महामारी के बीच विधानसभा चुनाव कराने पर निर्वाचन आयोग को फटकार लगाई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी और न्यायमूर्ति एस राममूर्ति की पीठ ने जनहित रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्वाचन आयोग को सबसे अधिक गैर जिम्मेदार करार दिया।इस याचिका में याचिकाकर्ता ने कोविड-19 नियमों का अनुपालन करते हुए दो मई को करूर में निष्पक्ष मतगणना सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

कोरोना की रफ्तार को रोकने के लिए कर्नाटक सरकार ने राज्य में लगाया 14 दिन का सख्त कर्फ्यू

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस के कहरको देखते हुए अब कर्नाटक सरकार ने भी राजज्य में कर्फ्यू लगाने का फैसला कर लिया है। कर्नाटक सरकार ने राज्य में अगले दो हफ्तों के लिए सख्त प्रतिबंधों की घोषणा की है। सीएम बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को एक कैबिनेट बैठक के बाद एक प्रेस को संबोधित किया और कर्नाटक में प्रतिबंधों की घोषणा की। कर्नाटक भारत के उन 10 राज्यों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक संख्या में कोविड -19 मामले दर्ज किए हैं। कर्नाटक में सबसे अधिक 29,438 नए मामले दर्ज किए जाने के बाद रविवार को कर्नाटक तीसरे स्थान पर था, इसके बाद उत्तर प्रदेश था। येदियुरप्पा ने सोमवार को घोषणा की उन्होंने कहा, ५यह वायरस पूरे राज्य में आक्रामक रूप से फैल रहा है। यह महाराष्ट्र और दिल्ली से भी बदतर है। हम 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीकाकरण करेंगे। सीएम ने कहा, 45 साल से ऊपर के लोग, वैसे भी केंद्र सरकार उन्हें मुफ्त में टीकाकरण कर रही है।

घबराने की जरूरत नहीं, भारत में ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि देश में मेडिकल ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार है, लेकिन भारी मांग वाले क्षेत्रों में इनकी आपूर्ति करने का मुद्दा है जिसका समाधान करने का प्रयास किया जा हरा है। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि भारतीय वायुसेना के परिवहन विमान की मदद से ऑक्सीजन लाने वाले टैंकरों के गंतव्य स्थल तक पहुंचने के समय को चार-पांच दिन से घटाकर एक-दो घंटे कर दिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार है। मुद्दा ढुलाई का है जिसका समाधान करने का प्रयास हम कर रहे हैं।'' देश में ऑक्सीजन की बढ़ती मांग के बीच गोयल ने कहा, ''ऑक्सीजन को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम उत्पादक राज्यों से भारी मांग वाले इलाकों में ऑक्सीजन की ढुलाई करने के मुद्दे को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार जीपीएस के माध्यम से ऑक्सीजन लाने वाले टैंकरों को लाने-ले जाने की स्थिति पर नजर बनाए हुए है तथा अस्पतालों को कम से कम समय में ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है। गत शुक्रवार से गृह मंत्रालय देश में विभिन्न हिस्सों में मौजूद ऑक्सीजन भरने के स्टेशनों तक खाली टैंकरों एवं कंटेनरों को ले जाने के लिए प्रयासों में समन्वय कर रहा है ताकि जरूरतमंद कोरोना मरीजों तक ऑक्सीजन जल्द से जल्द पहुंचाई जा सके।

राकेश टिकैत ने फिर कहा, हमारा आंदोलन जारी रहेगा, वापस नहीं जाएंगे किसान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन पिछले 5 महीने से जारी है। दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कई किसान संगठनों के नेता आंदोलन पर बैठे हुए है। इन सबके बीच कोरोना वायरस के मामले में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। किसान संगठनों से लगातार वापस जाने की अपील की जा रही है। लेकिन वह मानने को तैयार नहीं है। किसान नेता राकेश टिकैत ने आज एक बार फिर से कहा कि आगे भी हमारा आंदोलन जारी रहेगा। जब तक भारत सरकार हमारे मुद्दों पर बातचीत नहीं करेगी तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। किसान यहां से वापस नहीं जाएंगे। इससे पहले राकेश टिकैत ने कहा था कि हम किसानों को यहां से जाने के लिए नहीं कहेंगे। हम 5 महीनें से यहां हैं, ये तो अब हमारा गांव है। यहां कैंप लगवाया जाए, हम वैक्सीन लगवाएंगे। हम यहां कम लोगों को रखेंगे और बैठक नहीं होगी, लोग आते जाते रहेंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि हम किसानों को यहां से जाने के लिए नहीं कहेंगे। हम 5 महीनें से यहां हैं, ये तो अब हमारा गांव है। यहां कैंप लगवाया जाए, हम वैक्सीन लगवाएंगे। हम यहां कम लोगों को रखेंगे और बैठक नहीं होगी, लोग आते जाते रहेंगे।

भाजपा सरकार को सत्ता का दंभ छोड़कर परिवार की तरह सोचना चाहिए : अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, भाजपा सरकार को सत्ता का दम्भ छोड़कर एक परिवार वाले की तरह सोचना चाहिए और उसे तत्काल कोरोना पीड़ितों के घरों पर भी आक्सीजन का इंतजाम करना चाहिए। सोमवार को सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में पूर्व मुख्यमंत्री ने कोविड-19 टीका के दामों में एकरूपता और देश भर मेंमुफ्त टीकाकरण की व्यवस्था की मांग की। यादव ने आरोप लगाया कि काला बाजारियों पर लगाम लगाने में सरकार की विफलता उजागर है और संक्रमितों के इलाज के लिए जिन अस्पतालों और डॉक्टरों के नाम और टेलीफोन नम्बर भाजपा सरकार प्रचारित कर रही है वे अधिकांश फर्जी निकल रहे हैं। उनका कहना था कि इसी झूठ के सहारे मुख्यमंत्री अपनी कमियां छुपा रहे हैं जबकि जमीनी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों के आंसू सूख गए हैं और सरकार की आंख का पानी मर गया है। लोकतंत्र में भाजपा सरकार अभिशाप बन गई है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में लोगों की हर संभव मदद करने की अपील की है। यादव ने कहा कि दूरदर्शिता की कमी और कुप्रबंधन से भाजपा ने उत्तर प्रदेश को कोरोना प्रदेश बना दिया है। सपा प्रमुख ने दावा किया, एक ओर सरकार मृतकों की संख्या कमतर दिखाने को फर्जी आंकड़े दे रही है दूसरी तरफ श्मशान में चिताएं बुझने का नाम नहीं ले रही हैं। ऑक्सीजन, बेड, दवा न मिलने से सांसों का आपातकाल है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्रीके बयान जो हों लेकिन भाजपा विधायक और सांसद तक हालात से परेशान होकर धरना देने की चेतावनी दे रहे हैं, यह सरकार की नाकामी नहीं तो क्या है।

कोरोना की दूसरी लहर के बीच सरकार की लोगों को नई सलाह- घर पर भी पहनें मास्क

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि अब ऐसा समय आ गया है जब लोगों को घर के भीतर भी मास्क पहनकर रहना चाहिए। इसके साथ-साथ मेहमानों को अपने घर नहीं बुलाना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य डॉ वी के पॉल ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि यदि घर में कोई संक्रमित व्यक्ति है, तो उसे मास्क पहनना ही चाहिए, ताकि घर के अन्य लोग उसके कारण संक्रमित न हों।

उन्होंने कहा, बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि अब समय आ गया है कि हम सामान्य तौर पर भी घर के भीतर मास्क पहनना शुरू करें। हम घर के बाहर मास्क लगाने के बारे में बात करते थे, लेकिन संक्रमण जिस तरह फैल रहा है, उसे देखते हुए यदि हम घर के भीतर किसी के भी पास बैठे हैं, तो भी हम मास्क पहनें। पॉल ने कहा, यदि घर में कोई संक्रमित व्यक्ति है, तो उस व्यक्ति को और घर में रह रहे अन्य लोगों को भी मास्क लगाना चाहिए तथा संक्रमित व्यक्ति को अलग कमरे में रखा जाना चाहिए।

अस्पताल में भर्ती होना ही एकमात्र विकल्प नहीं

उन्होंने कहा कि यदि घर में इस प्रकार की सुविधा नहीं है, तो लोगों को पृथक-वास केंद्रों में जाना चाहिए। पॉल ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होना ही एकमात्र विकल्प नहीं है और %अस्पताल के बिस्तर जरूरतमंद लोगों के लिए होते हैं। वहीं, एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि अस्पताल की सुविधाओं के उपयोग के लिए सामुदायिक भागीदारी अहम है और लोगों में अनावश्यक घबराहट के कारण लाभ के बजाए नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि सामान्य ऑक्सीजन स्तर और मामूली लक्षण वाले लोग भी अस्पतालों में भर्ती होना चाहते हैं, जिसके कारण वास्तव में जरूरतमंद मरीजों को अस्पतालों के बाहर इंतजार करना पड़ रहा है और उन्हें उचित उपचार नहीं मिल पा रहा।

देश में पिछले 24 घंटे में 352991 केस

देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,52,991 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,73,13,163 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 28 लाख को पार कर गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन की गई जानकारी के अनुसार, संक्रमण से 2,812 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,95,123 हो गई है।

डॉक्टर की सलाह पर भर्ती हो, भारत के पास पर्याप्त मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध : स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना संक्रमण को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय बताया कि भारत में अब तक कोविड-19 टीके की 14.19 करोड खुराक दी गई है, 45 साल उम्र से अधिक उम्र के 9.79 करोड़ लोगों को पहली खुराक दी गई, 1.03 करोड़ लोगों को दूसरी खुराक दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए आगे कहा कि,ऑक्सीजन का तार्किक इस्तेमाल, रेमडेसिविर,टोसिलिजुमैब जैसी अहम दवाओं का उचित प्रिस्क्रीप्शन महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण। सरकार ने कोविड-19 मरीजों से कहा कि, कई लोग भय के कारण अस्पताल के बिस्तरों पर कब्जा जमाए पाए गए हैं, कृपया कर डॉक्टर की सलाह पर भर्ती हो।

सरकार ने कोविड-19 मरीजों द्वारा जीवन रक्षक गैस की कमी का सामना करने के बीच कहा कि, भारत के पास पर्याप्त मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध है, चुनौती उन्हें अस्पतालों तक पहुंचाने की है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि कोविड-19 की मौजूदा स्थिति से लोग घबराएं नहीं, बेवजह की घबराहट से फायदे के बजाय नुकसान अधिक होता है। वहीं सरकार ने अस्पतालों से कहा कि, न्यायोचित तरीके से ऑक्सीजन का इस्तेमाल करें और इसकी बर्बादी रोकें। सरकार ने कोविड-19 महामारी पर आगे कहा कि, अनुसंधान से पता चला है कि अगर सामाजिक दूरी का अनुपालन नहीं किया गया तो एक व्यक्ति 30 दिनों में 406 लोगों को संक्रमित कर सकता है। महिलाएं माहवारी के दौरान टीका ले सकती है या नहीं इसको लेकर सरकार ने जानकारी दी और कहा कि, वह कोविड-19 से प्रतिरक्षा हेतु टीका ले सकती हैं। सरकार ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर पर कहा, यह समय है जब लोग अपने घरों के भीतर भी मास्क पहनना शुरू करें।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले, ऑक्सीजन की कमी नहीं होने का सीएम योगी का दावा सफेद झूठ

लखनऊ। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं होने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दावे को सफेद झूठ बताते हुए सोमवार को कहा कि मरीजों के परिजन का ऑक्सीजन सिलेंडर लेने के लिए पूरी पूरी रात जागकर लाइन में खड़े होना उसकी पोल खोलता है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री के बयान को सफेद झूठ करार देते हुए कहा कि मरीजों के परिजन राजधानी लखनऊ में पूरी-पूरी रात जागकर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े जद्दोजहद कर रहे हैं, इसी से मुख्यमंत्री के दावों की पोल खुल गयी है। उन्होंने कहा कि जब यह स्थिति राजधानी लखनऊ की है तो राज्य के अन्य सभी जनपदों की स्थिति क्या होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दूसरी लहर के हाहाकार से बचने के लिये अगर मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली टीम इलेवन ने समुचित तैयारियां की होतीं तो संक्रमितों को उचित उपचार उपलब्ध होता। उन्होंने कहा कि संक्रमित मरीजों के लिये ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू, वेंटिलेटर व बेडों की पर्याप्त व्यवस्था होती तो आज बढ़ रहे भीषण संक्रमण और हो रही मौतों के आंकड़े से बचा जा सकता था। लल्लू ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा आपातस्थिति जैसे हालात हैं, इस भयावह आपदा काल में योगी मंत्रिमंडल संवैधानिक भूमिका का निर्वहन करने में कहीं दिखायी नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि संकट के समय में मुख्यमंत्री और उनकी टीम इलेवन, जिसको संक्रमण नियंत्रित करने, संक्रमित मरीजों को उचित उपचार की व्यवस्था करनी थी वह मात्र ''हेडलाइन मैनेजमेंट'' के लिये काम करती रही, उसने आम जनजीवन को भगवान भरोसे छोड़कर घोर अपराध किया है। योगी आदित्यनाथ ने कथित रूप से कहा था कि कि राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिये ऑक्सीजन की कोई कमी नही है।

तेजी से फैलते कोरोना मामलों के बीच गृह मंत्रालय ने राज्यों को दिए यह निर्देश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश के विभिन्न हिस्सों में तेजी से फैलते कोविड-19 के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सोमवार को सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए जिला व क्षेत्रवार गहन, स्थानीय और केंद्रित निषिद्ध ढांचे की रणनीति पर काम करने को कहा। सभी राज्यों व केंद्रीय शासित प्रदेशों से एक संवाद में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने निषिद्ध क्षेत्र संबंधी केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 25 अप्रैल को जारी किये गये परामर्श को दोहराते हुए कहा कि जिले के अधिकारियों को प्रतिबंध लागू करने की रणनीति के लिए संवेदनशील बनाना होगा और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनता के साथ जमीनी स्तर पर काम करने वाले पदाधिकारियों के बीच प्रसारित करना होगा। भल्ला ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड प्रबंधन और इसे नियंत्रित करने के उपायों का कड़ाई से पालन करने की अतिशीघ्र आवश्यकता है ताकि जिन क्षेत्रों में मामले तेजी से बढ़े हैं, वहां स्थितियां काबू में लाई जा सके। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार स्वास्थ्य मंत्रालय ने संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए जिला व क्षेत्रवार गहन, स्थानीय और केंद्रित निषिद्ध ढांचे की रणनीति के क्रियान्वयन की बात कही है। उन्होंने कहा, ''सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी जाती है कि वे इस दिशा में हरसंभव कदम उठाए।'' उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप अपने राज्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए जिले के अधिकारियों को निर्देश जारी करें ताकि संक्रमण को रोका जा सके।'' देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,52,991 नए मामले आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,73,13,163 तक पहुंच गई है जबकि वर्तमान में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 28 लाख को पार कर गयी है। इस संक्रमण से अब तक 1,95,123 लोगों की जान जा चुकी है।

चुनावी राज्यों में कोरोना संकट के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार? आखिर निर्णय लेने में क्यों हुई देरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में इस वक्त कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर जारी है। मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल में मतदान की प्रक्रिया भी जारी है। अब सवाल यह उठ रहे है कि क्या कोरोना महामारी के बीच चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव के दौरान अपनी भूमिका निभाने में फेल हो गया? क्या चुनाव आयोग ने कोरोना संक्रमण न फैले, इस को लेकर निर्णय करने में देर कर दिया? क्या चुनाव आयोग को चुनावी राज्यों में होने वाली रैलियों की इजाजत ही नहीं देनी चाहिए थी या फिर इस पर पहले ही रोक लगा देनी चाहिए थी? क्या चुनाव आयोग ने जो कदम बाद में उठाएं, उसे पहले ही उठा लेना चाहिए था? कोरोना के दूसरे लहर ने इन तमाम सवालों को फिलहाल उत्पन्न किया है। आज तो मद्रास हाई कोर्ट ने भी यह कह दिया कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के लिए चुनाव आयोग ही जिम्मेदार है। जाहिर सी बात है कि जिस तरह से चुनावी राज्यों में भी कोरोना वायरस का संकट बढ़ा है उससे कहीं ना कहीं चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल जरूर उठेंगे।

हालांकि यह बात भी सच है कि चुनाव आयोग ने कागजी तौर पर कोरोना वायरस प्रोटोकॉल के अंतर्गत कई गाइडलाइंस तैयार किए थे और उसे जारी भी किया गया था। पॉलिटिकल पार्टियों को भी इन गाइडलाइंस को मानने के लिए कहा गया था। हालांकि, जमीन पर कुछ इसका असर नहीं देखने को मिला। चुनावी राज्यों में बेधड़क रैलियां होती रही। चाहे छोटे नेता हो या फिर बड़े नेता हो, सभी की रैली में हजारों-लाखों में भीड़ जुटी रही थी। रैलियों में मास्क के का इस्तेमाल नहीं हो रहा था। सामाजिक दूरी की बात ही छोड़िए। लेकिन यह बात भी है कि जब चुनाव आयोग की ओर से पांच राज्यों की चुनावी तारीखों का ऐलान किया जा रहा था तब भारत में कोरोना वायरस संकट कट्रोल में था। चुनावी प्रक्रिया जैसे जैसे आगे बढ़ी वैसे वैसे कोरोना वायरस का संकट भी बढ़ता रहा। हालात खराब होने और चौतरफा आलोचना के बाद चुनाव आयोग निर्णय लेने की स्थिति में आया।

पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान कोविड बचाव नियमों के उल्लंघन का संज्ञान लेते हुए निर्वाचन आयोग ने राज्य में तत्काल प्रभाव से पदयात्रा, रोड शो और वाहन रैलियों के आयोजन पर रोक लगा दी। साथ ही कहा कि किसी भी जनसभा में 500 से अधिक लोगों को अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। आदेश में कहा गया कि आयोग ने पाया है कि कई राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार अभी भी जनसभा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा यह भी कहा गया कि जहां चुनाव होने हैं वहां चुनाव प्रचार 48 घंटे की जगह अब 72 घंटे पहले बंद हो जाएगा। नए आदेश के मुताबिक शाम 7:00 बजे से लेकर सुबह 10:00 बजे तक किसी भी तरह का चुनाव प्रचार बंद रहेगा। लेकिन चुनाव आयोग ने यह सब तब किया जब मामले बिगड़ते गए। चुनाव आयोग ने अपने सख्त निर्देश में कहा की सभी नेता और स्टार प्रचारक अपनी सभाओं में कोविड-19 मानकों का पालन करेंगे और राजनीतिक दलों की ओर से कोई उल्लंघन हुआ तो उनके खिलाफ क्रिमिनल केस होगा।

चुनाव आयोग ने यह कदम तब उठाया जब उसे कलकत्ता हाई कोर्ट से फटकार मिली। साथ ही साथ अब मद्रास हाई कोर्ट ने भी उसे चेताया है। कोरोना संक्रमण के कारण कई नेता बीमार हो गए हैं तो कई मौत के शिकार भी हो गए हैं। अब यह सवाल

जरूर उठाएंगे कि क्या चुनाव आयोग कोविड-19 प्रोटोकॉल को पालन कराने में विफल रहा। ममता बनर्जी की ओर से भी आखरी चरण के चुनाव को एक पेज में समेटने की वकालत की गई थी। लेकिन आयोग ने इसे खारिज कर दिया। इसके लिए भी आयोग की आलोचना की गई थी। कोरोना वायरस संकट के दौरान बिहार में भी चुनाव कराने को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठे जरूर थे। लेकिन उस समय कोरोना वायरस की आंच कमजोर दिखाई दे रही थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)